RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●13 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक-315 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

पीएम ने परम्पराओं को बदलकर रेल विकास को अभूतपूर्व गति दी है

● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को मिली रेल सौगातों के लिए माना आभार ● मिली खजुराहो से नई दिल्ली वंदेभारत ट्रेन, कोचिंग कॉम्पलेक्स की सौगात

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि विकसित भारत के लिए नवनिर्माणों का लगातार विस्तार हो रहा है। देश के कोने-कोने में परियोजनाओं का लोकार्पण और नई योजनाओं की शुरुआत हो रही है। वर्ष 2024 के पहले 75 दिनों में ही 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हो चुका है। विकास की इस गति को हम धीमा नहीं होने देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के लिए आधुनिक रेलवे कार्यक्रम के अंतर्गत 85000 करोड़ रुपए से अधिक की 6 हजार रेल परियोजनाओं के शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण कार्यक्रम को अहमदाबाद से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर हुए कार्यक्रम से सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय रेल आधुनिक समय में देश का भाग्य बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

रानी कमलापति देश के सर्वश्रेष्ठ स्टेशन के रूप में विकसित हुआ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खजुराहो से नई दिल्ली वंदे भारत ट्रेन तथा रामगंजमंडी- भोपाल नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत निशातपुरा- संत हिरदाराम नगर रेल खण्ड के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना। इस परियोजना से तथा खजुराहो- नई दिल्ली वंदे भारत ट्रेन से विकास की नई संभावनाएं साकार होंगी। करीब 65 करोड़ रुपये की लागत से निशातपुरा-संत हिरदाराम नगर रेल खण्ड के कार्य से पश्चिमी मध्यप्रदेश में रेल आवागमन और सुगम होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश को रेलवे की कई सौगातें दी हैं। रानी कमलापति के रूप में देश का सर्वश्रेष्ठ स्टेशन विकसित हुआ है, यह निजी सहभागिता से रेलवे अधोसंरचना विकास का सफल उदाहरण भी बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा आज प्रदेश में लगभग 202 इलेक्ट्रानिक इंटर लाकिंग, 57 एक स्टेशन एक उत्पाद के आउट लेट का लोकार्पण, लगभग 66 सोलर प्लांट, 13 लाइन रेल लाइन के दोहरीकरण के साथ ही चार प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र भी राष्ट्र को समर्पित किए गये हैं। एक रेलवे कोच रेस्टोरेंट, एक लोको शेड, तीन रेल खण्डों के विद्युतीकरण, भोपाल में वंदे भारत ट्रेनों के रख-रखाव के लिए लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत से नए कोचिंग काम्पलेक्स का शिलान्यास भी किया गया है। इन सभी सौगातों के लिए हम केंद्र सरकार के आभारी हैं। प्रधानमंत्री द्वारा कुछ समय पूर्व ही प्रदेश के 33 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई थी।

नरोत्तम से मिले पूर्व नेता प्रतिपक्ष, बंद कमरे में चर्चा

डॉ. गोविंद सिंह बोले-कई लोग इसलिए गए क्योंकि पार्टी सम्मान नहीं दे पाई

भोपाल। कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह मंगलवार को पूर्व गृह मंत्री व बीजेपी की न्यू जॉइनिंग टोली के संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा से मिले। दोनों नेताओं के बीच नरोत्तम के आवास पर बंद कमरे में आधे घंटे तक चर्चा हुई। डॉ. नरोत्तम मिश्रा से मिलने के बाद डॉ. गोविंद सिंह ने

मीडिया से चर्चा में कहा- हमारी मुलाकातें होती रहती हैं। हम पड़ोसी हैं। छात्र जीवन से एक-दूसरे के साथ हैं। वे हमारे यहां आते हैं, हम उनके यहां आते-जाते रहते हैं। कांग्रेस नेताओं के बीजेपी में शामिल होने को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा- कई लोग इसलिए चले गए क्योंकि वे लोग जो मान-सम्मान चाहते थे उतना मान-सम्मान पार्टी नहीं दे पाई। उनकी महत्वाकांक्षाएं ज्यादा हैं, इसलिए जा रहे हैं। मेरा मुरैना से चुनाव लड़ने का विचार था, लेकिन मैंने विचार त्याग दिया है। वैसे पार्टी हमें टिकट भी नहीं दे रही। भाजपा जॉइन करने के सवाल पर गोविंद सिंह ने कहा- हम भाजपा जॉइन करने वाले नहीं हैं। हम तो दोस्ती के नाते आए हैं।

पीएम मोदी ने 10 नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

अहमदाबाद में 85 हजार करोड़ की योजनाओं का किया इनॉगरेशन

साबरमती में कोचरब आश्रम का उद्घाटन,मास्टर प्लान का शुभारंभ

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद में 85 हजार करोड़ रुपए की रेल प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया। उन्होंने देशभर के विभिन्न राज्यों से चलने वाली 10 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद उन्होंने साबरमती आश्रम में कोचरब आश्रम का उद्घाटन किया और गांधी आश्रम स्मारक के मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पूज्य बापू का ये साबरमती आश्रम हमेशा से ही एक अप्रतिम ऊर्जा का जीवंत केंद्र रहा है। जब-जब यहां आने का अवसर मिलता है, तो बापू की प्रेरणा हम अपने भीतर स्पष्ट रूप से अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा- आज 12 मार्च की ऐतिहासिक तारीख भी है। आज के ही दिन बापू ने स्वतंत्रता आंदोलन की धारा को बदला और दांडी यात्रा इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गई। सत्य-अहिंसा के आदर्श हों, राष्ट्र आराधना का संकल्प हो या गरीबों-वंचितों की सेवा करते हुए नारायण के दर्शन की भावना हो, साबरमती आश्रम आज भी बापू के इन मूल्यों को जीवित रखे हुए है।

5 एकड़ में सिमट गया था साबरमती आश्रम

अभय घाट में अपने संबोधन में उन्होंने कहा- साबरमती आश्रम 120 एकड़ में फैला था, जो धीरे-धीरे अतिक्रमण के चलते 5 एकड़ जमीन में सिमट गया था। एक समय यहां छोटे-बड़े 63 घर बन गए थे। हमने यहां की 55 एकड़ जमीन मुक्त करवाई। पहले की सरकारों ने यहां की विरासत को बचाने की कोशिश ही नहीं की। इसका कारण उनकी तुष्टीकरण की नीति थी। इसी के चलते हमारे देश की महान धरोहर ऐसे ही तबाह होती चली गई। अतिक्रमण, अस्वच्छता और अव्यवस्था ने हमारे देश की महान विरासत को घेर रखा था, जिसे मुक्त कराने का हमारा अभियान जारी है।

50 दिनों में 1 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे

मैं काशी का उदाहरण देता हूं। वहीं, 10 साल पहले क्या हालत थी, यह सभी जानते हैं। आज की हालत आप देख सकते हैं। आज वहां अनेक प्रकार की सुविधाएं खड़ी हो गई हैं। दो साल में 12 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु काशी आए हैं। इसी तरह अयोध्या में हमने 200 एकड़ जमीन को मुक्त कराया। आज वहां कई सुविधाएं खड़ी कर दी गई हैं। इसी के चलते पिछले 50 दिनों में ही 1 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन किए। गुजरात ने कई धरोहरों को संरक्षित किया है। मैंने आजादी से जुड़े स्थानों के विकास के लिए अभियान शुरू किया था।

हरियाणा के नए सीएम बने नायब सिंह सैनी

● खट्टर के इस्तीफे के बाद विधायक दल की बैठक में चुने गए नेता, ली शपथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नायब सिंह सैनी ने मंगलवार शाम हरियाणा के 11वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के पैर छुए। सैनी के बाद कंवर पाल, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह चौटाला, जयप्रकाश दलाल और डॉ. बनवारी लाल ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। ये पांचों खट्टर कैबिनेट में भी थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के इस्तीफे के बाद विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें सैनी को नेता चुना गया। फिर 54 साल के नायब सिंह सैनी ने राजभवन पहुंचकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सैनी ने विधायक दल का नेता चुने जाने पर पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार व्यक्त किया। सैनी मनोहर लाल के करीबी हैं। 27 अक्टूबर 2023 को ही उन्हें हरियाणा भाजपा का अध्यक्ष बनाया गया था। मनोहर लाल ने बीजेपी और जननायक जनता पार्टी का गठबंधन टूटने के बाद मंगलवार सुबह 11.50 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। जेजेपी ने भी दिल्ली में अपने विधायकों की बैठक बुलाई। पार्टी के 10 में से 5 विधायक इस बैठक में नहीं पहुंचे। बताया जा रहा है कि ये सभी बीजेपी के संपर्क में हैं। जजपा कल हिसार में रैली कर अगली रणनीति का ऐलान करेगी। जेजेपी लोकसभा चुनाव में हरियाणा में 1 से 2 सीटें मांग रही थी जिसके लिए बीजेपी नेतृत्व राजी नहीं था।

बीजेपी ऑफिस के सामने बेरोजगारों ने किया रामायण पाठ

भोपाल में धरने पर बैठे, कहा-वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे सरकार

भोपाल। भोपाल में मंगलवार को शिवाजी नगर स्थित भाजपा दफ्तर के बाहर बेरोजगारों ने धरना देकर रामायण पाठ किया। जिससे सड़क पर जाम लग गया। भाजपा कार्यालय की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पहले समझाईश दी, नहीं माने तो सभी 100 से अधिक बेरोजगार शिक्षक संघ के सदस्यों को कटारा हिल्स पुलिस स्टेशन भेज दिया गया। एसीपी अक्षय चौधरी ने बताया कि यहां पर कुछ लोग रास्ता रोक कर बैठे थे। जिन्हें हटा दिया गया है। बेरोजगार शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष देवेश पालीवाल ने बताया कि शिक्षक वर्ग-1 परीक्षा 2023 के लिए 2-2 एग्जाम लिए गए। जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने अच्छे नंबर प्राप्त किए। बावजूद इसके उन्हें वेटिंग लिस्ट में डाल दिया गया। हम लगातार पदों की संख्या बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। पहले भी 3-4 आंदोलन कर चुके हैं। आज फिर सरकार तक अपनी बात पहुंचाने के लिए यहां आए हैं। जब तक वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थियों को लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा, हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। 5 साल बाद मध्य प्रदेश शिक्षक भर्ती 2023 आयोजित की गई थी। वर्ग 1 चयन परीक्षा 2023 में 2-2 एग्जाम लिए गए। कुल 8720 पदों में 3668 पद बैकलॉग हैं। 5052 सीधी भर्ती के हैं।

कांग्रेस की दूसरी लिस्ट जारी, 6 राज्यों के 43 नाम

● 13 ओबीसी, एक मुस्लिम उम्मीदवार; नकुलनाथ छिंदवाड़ा से, वैभव गहलोत जालोर से चुनाव लड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को लोकसभा उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट का ऐलान कर दिया। इसमें 43 उम्मीदवारों के नाम हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ को छिंदवाड़ा से तो राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को जालोर से टिकट दिया गया है। इससे पहले 8 मार्च को जारी कांग्रेस की पहली लिस्ट में 39 नामों का ऐलान किया गया था। इस तरह कांग्रेस अब तक 82 नामों का ऐलान कर चुकी है। लिस्ट में 76.7 फीसदी उम्मीदवारों की उम्र 60 साल से कम है। वेणुगोपाल ने कहा, हमने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची पहले ही घोषित कर दी है। मंगलवार को हमने दूसरी सूची की घोषणा की हैं। कल सीईसी ने बैठक की और असम, मध्य प्रदेश, राजस्थान से लगभग 43 नामों की सूची को मंजूरी दे दी थी। वेणुगोपाल ने कहा, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई असम के जोरहाट से चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस की सूची इस प्रकार है

राज्य	सीट	उम्मीदवार
मध्य प्रदेश	छिंदवाड़ा	नकुलनाथ
मध्य प्रदेश	भिंड	फूल सिंह बरैया
मध्य प्रदेश	टीकमगढ़	पंकज अहिरवार
मध्य प्रदेश	सीधी	कमलेश्वर पटेल
मध्य प्रदेश	मंडला	ओमकार सिंह मरकाम
मध्य प्रदेश	देवास	राजेंद्र मालवीय
मध्य प्रदेश	धार	राधेश्याम मुवेल
मध्य प्रदेश	खरगोन	पोरलाल खरते
मध्य प्रदेश	बैतूल	रामू टेकाम
मध्य प्रदेश	सतना	सिद्धार्थ कुशवाहा
राजस्थान	बीकानेर	गोविंद राम मेघवाल
राजस्थान	चूरू	राहुल कस्वां
राजस्थान	झुंझुनू	बृजेंद्र ओला
राजस्थान	अलवर	ललित यादव
राजस्थान	भरतपुर	संजना जाटव
राजस्थान	टोंक सवाई माधोपुर	हरीश चंद्र मीणा
राजस्थान	जोधपुर	करण सिंह उचियारड़ा
राजस्थान	जालौर-सिरोही	वैभव गहलोत
राजस्थान	उदयपुर	ताराचंद मीणा

31 पर लड़ेगी भाजपा, 13 सीटें शिवसेना के नाम !

महाराष्ट्र में बन गई बात, अमित शाह ने करा दी डील

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन यानी भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार कैंप) के बीच सीट शेयरिंग पर मुहर लगने की खबरें हैं। हालांकि, अब तक किसी ने भी आधिकारिक तौर पर आंकड़ों का खुलासा नहीं किया, लेकिन अटकलें हैं कि तीनों दल राज्य 48 सीटों पर उम्मीदवारों को उतारने के लिए तैयार हैं। भाजपा मंगलवार को उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर सकती है। रिपोर्ट में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कैंप के सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि भाजपा 31, शिवसेना 13 और एनसीपी 4 सीटों पर लड़ेगी। सूत्रों ने कहा, महायुति गठबंधन समझौते पर पहुंच गया है, जहां भाजपा 31 सीटों, शिवसेना 13 और अजित पवार की एनसीपी 4 सीटों पर लड़ेगी। पवार को बारामती, शिरूर और रायगढ़ के साथ-साथ परभणी भी दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिवसेना 13 सीटों पर मैदान में उतरेगी, जिसके बदले में भाजपा को मुंबई की 5 सीटें मिलेंगी।

संदेशखाली केस में शाहजहां शेख पर कस रहा शिकंजा

सीबीआई ने डाला घेरा, तीन करीबियों को किया गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। संदेशखाली केस में आरोपी और टीएमसी से बर्खास्त नेता शाहजहां शेख ने सीबीआई की टीम के सामने कई राज उगले हैं। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने सोमवार को शेख के तीन करीबियों को गिरफ्तार किया। इसमें सुरक्षा गार्ड सहित उनके तीन कथित सहयोगी शामिल हैं। इनकी प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर 5 जनवरी को हुए हमले में संलिप्तता सामने आई है। केंद्रीय एजेंसी ने शेख के सुरक्षा गार्ड दीदार बख्श मोल्ला को हिरासत में ले लिया है, जो हमलों के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज की गई तीन एफआईआर में से एक में शिकायतकर्ता है। ये एफआईआर कलकत्ता हाई कोर्ट ने सीबीआई को सौंप दी हैं। बख्श मोल्ला के अलावा, सीबीआई ने सरबेरिया गांव के पंचायत प्रधान जयउद्दीन मोल्ला और एक अन्य व्यक्ति

फारुक अकुंजी को भी गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि ये तीनों शेख के करीबी सहयोगी हैं जिन्हें हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, उन्हें कल मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने सोमवार को मामले में पूछताछ के लिए शेख के नौ करीबी सहयोगियों और सहयोगियों को बुलाया था।

प्रदेश पाती
दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 13 मार्च, 2024

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल ने उदयपुरा में 48 उप स्वास्थ्य केंद्रों का किया भूमिपूजन

रायसेन (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल द्वारा रविवार को विधानसभा उदयपुरा तथा सिलवानी में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी सौगातें दी गईं। स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल ने उदयपुरा में आयोजित कार्यक्रम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुरा में 20 बिस्तरीय अतिरिक्त वार्ड का भूमिपूजन किया। साथ ही 48 उप स्वास्थ्य केंद्रों के नवीन भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। राज्यमंत्री पटेल सिलवानी विधानसभा के प्रतापगढ़ पहुंचे और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया। इसके उपरांत उन्होंने बेगमगंज में सिविल अस्पताल का भी लोकार्पण किया। इन अवसरों पर आयोजित कार्यक्रमों में उन्होंने उपस्थित नागरिकों को भी संबोधित किया। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री रामपाल सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से खुश है गीता

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर माता-पिता के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना से गरीब परिवारों की बेटियों की शादी धूमधाम से हो रही है। इसके साथ ही उन्हें नई गृहस्थी शुरू करने के लिए सहायता राशि भी दी जा रही है । मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना में आष्टा तहसील के ग्राम धनाना निवासी गीता मालवीय बताती है कि उनके पिता की आर्थिक स्थिति बेहतर नही थी । गीता बताती है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना ने उन्हें और उनके परिवार को शादी में आने वाले खर्चे की चिंता से मुक्त कर दिया । उन्होंने कहा कि मेरी शादी के लिए पिताजी को किसी से कर्ज नहीं लेना पड़ा । इस योजना से मिली मदद के लिए गीता ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया ।

दो आदतन अपराधी 04-04 माह के लिए जिलाबदर

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अरविन्द कुमार दुबे द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर विभिन्न अपराधों में आरोपी हेमराज बैरागी पिता देवीसिंह बैरागी निवासी ग्राम सेंडोरा थाना कोतवाली रायसेन को 04 माह के लिए रायसेन जिला तथा रायसेन जिले के सीमावर्ती जिलों की राजस्व की सीमाओं से निष्कासित किया गया है। आरोपी वर्ष 2014 से लगातार आपराधिक कृत्य में लिप्त है। आरोपी के विरूद्ध विभिन्न अपराधों में प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

इसी प्रकार विभिन्न अपराधों में आरोपी तेजसिंह पिता नन्हेलाल अहिरवार निवासी ग्राम पलोहा थाना बेगमगंज जिला रायसेन को 04 माह के लिए रायसेन जिला तथा रायसेन जिले के सीमावर्ती जिलों की राजस्व की सीमाओं से निष्कासित किया गया है। आरोपी वर्ष 2012 से लगातार आपराधिक कृत्य में लिप्त है। आरोपी के विरूद्ध विभिन्न अपराधों में प्रकरण पंजीबद्ध हैं। न्यायालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार आरोपी हेमराज बैरागी तथा आरोपी तेजसिंह को जिलाबदर करने संबंधी पारित आदेश के अनुसार जिला रायसेन एवं जिला रायसेन के सीमावर्ती जिला भोपाल, विदिशा, सागर, सीहोर, नर्मदापुरम् एवं नरसिंहपुर जिले की राजस्व सीमाओं से 04-04 माह के लिए निष्कासित किया गया है। आरोपी जिस जिले में निवास करेंगे, उस जिले के पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित थाना प्रभारी को अपनी उपस्थिति के संबंध में निरंतर सूचित करेंगे। आरोपी द्वारा निष्कासन/जिलाबदर की अवधि में इस आदेश का उल्लंघन करने पर मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 की धारा-14 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

पीएम विश्वकर्मा योजना के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

हरदा (निप्र)। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के संबंध में जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक डॉ. दोगने के अलावा लीड बैंक अधिकारी मनीष जायसवाल, खिरकिया जनपद के सीईओ प्रवीण इवने, प्रभारी महाप्रबन्धक उद्योग विभाग सचिन रोमड़े सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नारी-विकसित भारत कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में देखा गया लाईव

प्रसारण विधायक डॉ चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्व-सहायता समूहों की महिलाएं रहीं उपस्थित

रायसेन (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सशक्त नारी - विकसित भारत कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा नई दिल्ली में नमो ड्रोन दीदियों द्वारा आयोजित कृषि ड्रोन प्रदर्शन देखा गया। देशभर में 10 अलग-अलग स्थानों से नमो ड्रोन दीदियों ने भी एक साथ ड्रोन प्रदर्शन में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने 1,000 नमो ड्रोन दीदियों को ड्रोन भी सौंपे। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक जिले में बैंकों द्वारा स्थापित बैंक लिंकेज शिविरों के माध्यम से रियायती ब्याज दर पर स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को लगभग 8,000 करोड़ रुपये के बैंक ऋण भी वितरित किए। साथ ही समूहों की दीदीयों से संवाद भी किया। सशक्त नारी - विकसित भारत कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन का रायसेन में कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष मती सविता सेन, जिला पंचायत सीईओ मती अंजू पवन भदौरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लाईव प्रसारण देखा व सुना गया। प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन के उपरांत सांची विधायक डॉ चौधरी ने एनआईसी कक्ष में उपस्थित स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद करते हुए द्वारा संचालित की जा रहीं आजीविका संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

केन-बेतवा एवं पार्वती-कालीसिंध-चंबल जल कलश यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में देखा गया लाईव प्रसारण

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा भोपाल में केन-बेतवा एवं पार्वती-कालीसिंध-चंबल जल कलश यात्रा का शुभारंभ कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, कलेक्टर अरविंद दुबे, अपर कलेक्टर मती श्वेता पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों द्वारा लाईव प्रसारण देखा गया। इस परियोजना से संबंधित ग्रामों में 11 मार्च से 13 मार्च तक जल जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा पार्वती -कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के 17 जिलों के संभावित 3614 लाभान्वित गांवों में कलश यात्रा तथा जल आधारित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। संभावित लाभान्वित ग्रामों में मुख्य मार्गो पर कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें अधिक से अधिक संख्या में ग्रामवासी शामिल होंगे, जिनमें गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, किसान, महिलाएं एवं छात्र-छ्त्राएं भी होंगे। इन गावों में केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा पार्वती -कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के महत्व तथा जल की आवश्यकता पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक, भजन मंडली द्वारा भजन प्रस्तुति एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। साथ ही इन गावों के स्कूलों में जल पर केंद्रित चित्रकला, निबंध, खेलकूद, वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित किए जाएंगे। इन गावों में जल पर आधारित दीवार लेखन एवं अन्य प्रचार प्रसार भी किया जाएगा।

सराहनीय योगदान के लिए राज्यपाल ने की कलेक्टर श्री सिंह की प्रशंसा

सीहोर (निप्र)। शहीद सैनिकों के परिजनों एवं भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिजनों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों में सराहनीय योगदान के लिएप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल द्वारा कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया है। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह द्वारा जिले को आवंटित निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि एकत्र कर सैनिक कल्याण बोर्ड को दी गई। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिक युद्ध तथा शांति के समय एक सजग प्रहरी की तरह सेवाएं देते हैं। वे देश को जल, थल तथा वायु में बहुत की कठिन परिस्थितियों तथा मुश्किल क्षणों में हर समय देश की सीमा की रक्षा करते हैं तथा अपनी अमूल्य सेवाओं के द्वारा बाढ़, भूकंप, तूफान तथा प्राकृतिक विपदाओं के समय देश की सहायता करते हैं। सिविल प्रशासन की दंगे तथा आतंकवाद की स्थिति में सहायता करते हैं। इस तरह सैनिक देश की रक्षा तथा सुरक्षा में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सैनिकों और उनके परिजनों का सहयोग करना हमारा दायित्व है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर प्रवीण सिंह द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर जिले की ओर से धनराशि एकत्र करने में सक्रिय भूमिका निभाई गई। उनके प्रयासों से ही गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला सैनिकों के कल्याण के लिए निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि एकत्रित की गई। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 में सीहोर जिले से निर्धारित लक्ष्य पांचलाख 23 हजार रुपए के विरुद्ध पांच लाख 33 हजार रुपए की राशि एकत्र की गई। इस धनराशि का उपयोग शहीद सैनिकों के आश्रित परिजनों, विकलांग सैनिक, भूतपूर्व सैनिक को उपचार, छात्रवृत्ति, स्वरोजगार एवं अन्य तरह से आर्थिक सहायता के लिए किया जाता है।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में रोजगार मेला 13 मार्च को होगा

हरदा (निप्र)। निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बेरोजगार युवाओं के लिये रोजगार मेला 13 मार्च को होगा। जिला रोजगार अधिकारी श्री लक्ष्मणसिंह सिलोटे ने बताया कि यह रोजगार मेला शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में प्रातः 11 बजे से आयोजित होगा।

इस मेले में प्रशिक्षु कर्मी, मशीन ऑपरेटर, सेल्स एक्ज्युकेटिव, फील्ड ऑफिसर व बीमा अभिकर्ता के पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसके लिये न्यूनतम योग्यता कक्षा 5 वी से 12 वी, स्नातक तथा आईटीआई प्रशिक्षित तथा आयु सीमा 18 से 30 वर्ष होना निर्धारित है। इच्छुक आवेदक अपने शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण-पत्र व अंकसूची, मूल निवासी प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, परिचय पत्र, रोजगार कार्यालय का पंजीयन कार्ड, पासपोर्ट साइज के 4 फोटो जैसे मूल दस्तावेज व उनकी छायाप्रति का 1 सेट लेकर रोजगार मेले में साक्षात्कार के लिये उपस्थित हो सकते है।

इसके लिये कोई मार्ग व्यय नहीं दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिये मोबाइल नम्बर 9424056828 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

हाईमास्ट से कुंआखेडी तिराहा प्रकाशित हुआ

विदिशा (निप्र)। विदिशा सांसद श्री रमाकांत भार्गव द्वारा कुंआखेडी तिराहा पर हाईमास्ट लगाने हेतु स्वीकृत राशि से कार्य पूर्ण कराया गया है कि जानकारी देते हुए कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि कुंआखेडी तिराहा अब रात्रि में भी हाईमास्ट की रोशनी से जगमाएगा। जिससे यातायात में सहूलियत होगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

टीएल बैठक में कलेक्टर दुबे ने की विभागीय गतिविधियों और सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा समय सीमा वाले शासकीय पत्रों, सीएम हेल्पलाईन तथा विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर दुबे ने विभागवार सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों तथा उनके निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जल्द से जल्द शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर दुबे ने सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों के डाटा अपडेशन तथा फ्रीज किए जाने की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लोकसभा निर्वाचन संबंधी जो भी दायित्व सौंपे गए हैं, अधिकारी उनका पूरी निष्ठा और लगन से निर्वहन करें। कलेक्टर दुबे ने मतदान केन्द्रों का भी निरीक्षण करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना सहित कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संसाधन, पीएचई सहित अन्य विभागों की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ मती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर मती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर मती अमृता गर्ग सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में पीएम जनमन योजना के कार्यों की समीक्षा

विदिशा (निप्र)। लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में संपन्न हुई। उक्त बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान) तहत विदिशा जिले में क्रियान्वित कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए योजनाओं से सहरिया जनजाति समुदाय के परिवारों को लाभान्वित कर शत प्रतिशत सैचुरेशन लाए जाने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत सीईओ ने बैठक में कहा कि सहरिया जनजाति परिवारों को आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता, समग्र आईडी, पात्रता पर्ची, बीपीएल एवं उज्जवला योजना समेत अन्य योजनाओं से लाभान्वित किए जाने के कार्यों में गति लाएं। उन्होंने बैठक के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े एसडीएम तथा खंड स्तरीय अन्य अधिकारियों से संवाद कर इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने सिरोंज ब्लॉक में एसडीएम हर्षल चैधरी द्वारा पीएम जनमन योजना तहत क्रियान्वित कार्यों की प्रशंसा भी की है। एसडीएम चैधरी के द्वारा पीएम जनमन योजना तहत शामिल बिंदु जिनमें पात्रता पर्ची , बीपीएल कार्ड, उज्वला योजना, जनधन खाते, आयुष्मान कार्ड और जाति प्रमाण पत्र के मामलों में कोई भी हितग्राही वंचित नहीं है के कार्यों को संपादित किया है जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने उनके कार्यों की प्रशंसा की है साथ ही उन्होंने कहा है कि अन्य कार्यों में भी इसी तरह की स्थिति बनी रहे। उक्त बैठक में जिले में पीएम जनमन योजना तहत क्रियान्वित कार्यों का प्रजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया। लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर मती निकिता तिवारी विदिशा एसडीएम क्षितिज शर्मा समेत अन्य विभागों को जिलाधिकारी उपस्थित रहे, जबकि खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े रहे।

स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग अंतर्गत कलेक्टर ने सांची जनपद की 12 संस्थाओं को प्रदान किया प्रमाण पत्र

रायसेन (निप्र)। पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता मानकों को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वाधान से देश में आतिथ्य सुविधा जैसे रिसोर्ट, होमस्टे, धर्मशाला आदि में सुविधाओं के लिए स्वच्छता ''ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम'' शुरू किया गया है। ग्रीन लीफ रेटिंग के निष्पादन हेतु गठित जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष अरविंद दुबे द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सांची जनपद पंचायत के तहत आने वाली 12 संस्थाओं यथा रिसोर्ट, होमस्टे तथा धर्मशालाओं को स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला स्तरीय समिति की सदस्य सचिव जिला पंचायत सीईओ मती अंजू पवन भदौरिया भी उपस्थित रहीं। कलेक्टर दुबे द्वारा सांची जनपद के तहत यू टोपिया रिसोर्ट सांची, मगधम रिसोर्ट सांची, संघमित्रा रिट्रीट एण्ड रिसोर्ट सांची, तारा हेरिटेज सांची, आराम बाग सांची, जैन धर्मशाला दीवानगंज, माता मंदिर धर्मशाला खण्डेरा, यात्री धर्मशाला बीदपुरा, यात्री धर्मशाला मेढ़की, होमस्टे झलकन कचनारिया, होमस्टे हीरालाल कचनारिया तथा होमस्टे मनोहर पाल शाहपुर को स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा आतिथ्य सुविधा जैसे रिसोर्ट, होमस्टे, धर्मशाला इत्यादि में सुविधाओं के लिए स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत आतिथ्य शैली में कार्यरत इकायों को सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता को बढ़ावा देने के साथ ही इसे अपनाने में संवेदीकरण कार्य कर रही हैं। इसमें संस्थाएं स्वच्छता के प्रमुख घटकों जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रवाटर प्रबंधन एवं मल कीचड़ प्रबंधन का सर्वे कार्य कर सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता के अनुरूप बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाते हैं। स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग प्रणाली के निष्पादन के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की जाती है। जिसमें जिला पंचायत सीईओ सदस्य सचिव, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ सदस्य, जिला समन्वयक सदस्य तथा डीएटीसीसी एमपी टूरिज्म बोर्ड सदस्य होते हैं।

पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता मानकों को बढ़ाने शुरू किया गया है ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम

झंडा निधि में लक्ष्य से अधिक राशि जमा करने पर कलेक्टर सिंह हुए सम्मानित

हरदा (निप्र)। हरदा जिले में सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि की राशि लक्ष्य से अधिक जमा करने पर प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने सोमवार को कलेक्टर आदित्य सिंह को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि हरदा जिले को सशस्त्र सैनिकों के कल्याण के लिए झंडा दिवस निधि की राशि 2.28 लाख रुपए जमा करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसके विरुद्ध हरदा जिला प्रशासन ने कुल 5 लाख 17 हजार 575 रुपए जमा कराये हैं। समारोह में प्रमुख सचिव गृह संजय दुबे, राज्यपाल के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ल, अधिकारीगण और सहयोगकर्ता उपस्थित थे।सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर जन सहयोग से 4.36 करोड़ से अधिक राशि का संग्रहण हुआराज्यपाल पटेल ने इस अवसर पर कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर जन सहयोग से लगभग 4 करोड़ 36 लाख से अधिक राशि का संग्रहण उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने लक्ष्य से अधिक सहयोग राशि का संग्रहण करने वाले संभागायुक्तों और कलेक्टर्स के प्रयासों की सराहना की तथा सहयोगकर्ताओं का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन और आभार प्रदर्शन संचालक, सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अरुण नायर ने किया।

ये अधिकारी भी हुए सम्मानित

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने इस अवसर पर जिन अधिकारियों को सम्मानित किया, उनमें हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह के अलावा संभागायुक्त नर्मदापुरम पवन शर्मा, संभागायुक्त सागर वीरेन्द्र सिंह रावत, संभागायुक्त जबलपुर अभय वर्मा, संभागायुक्त उज्जैन डॉ. संजय गोयल, नीमच कलेक्टर दिनेश जैन, रीवा कलेक्टर मती प्रतिभा पाल, अलीराजपुर कलेक्टर डॉ. अभय अरविन्द बेडेकर और छिन्दवाड़ा कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

किसान अब 16 मार्च तक करा सकते है पंजीयन

सीहोर (निप्र)। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन करने के लिये पंजीयन की अवधि 10मार्च तक निर्धारित की गई थी ।अब प्रदेश के गेहूँ उत्पादक किसानों को समर्थन मूल्य पर खाद्यान्न विक्रय के अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के लिये किसान पंजीयन की अवधि 16मार्च 2024 तक बढ़ा दी गयी है ।

विजयवर्गीय का मजाक और चौकन्ने हुए शंकर

इंदौर। एक माह पहले तक इंदौर लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रत्याशी के रूप में शंकर लालवानी का नाम तय माना जा रहा था, लेकिन पिछले कुछ दिनों में हुए घटनाक्रम ने लालवानी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने खुले मंच से उनके टिकट कटने की बात कह दी, तो उनके समर्थक जीतू जिराती ने सुर में सुर मिलाते हुए इसी बात को आगे बढ़ा दिया। हालांकि विजयवर्गीय ने बाद में यह कहकर पल्ला जरूर झाड़ लिया कि मैं तो मजाक कर रहा था। इसके बाद अचानक हवा चली कि इंदौर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी किसी केंद्रीय मंत्री को टिकट भी दे सकती है। इन घटनाक्रमों से लालवानी को कितना नुकसान होगा यह तो पता नहीं, लेकिन इतना जरूर है कि इन बातों ने शंकर को चौकन्ना जरूर कर दिया है। विजयवर्गीय उड़ती चिड़िया के पर गिनने में माहिर हैं। देखते हैं उनकी बात सही साबित होती है या मजाक।

संभागायुक्त दीपक सिंह द्वारा पदभार ग्रहण

इंदौर। संभागायुक्त दीपक सिंह द्वारा गत दिवस इंदौर में अपना पदभार ग्रहण कर लिया गया है। श्री सिंह ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात संभाग आयुक्त कार्यालय का भ्रमण किया और यहां अधिकारी-कर्मचारियों से परिचय भी प्राप्त किया। श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित हो और यह अपेक्षित होगा कि कोई भी फाइल अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहे। दीपक सिंह ने नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण तथा इंदौर विकास प्राधिकरण में अपने अतिरिक्त प्रभार का पदभार भी ग्रहण किया। संभागायुक्त सिंह ने इंदौर के संभागीय स्तरीय अधिकारियों की बैठक बुलायी और उनसे परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि जब भी अधिकारी मुख्यालय से बाहर जाएं तो अनिवार्य रूप से कमिश्नर कार्यालय को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही विस्तृत बैठक लेकर विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने निर्माण विभागों को निर्देशित किया कि अभी कार्य का उपयुक्त समय है। अपने कार्यों की गति बढ़ाएँ और सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ संपादित हों।

अवैध उत्खनन करने पर तीन पोकलेन और तीन डंपर जब्त

इंदौर। इंदौर जिले में अवैध उत्खनन करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज तहसील भिचोली हप्सी के ग्राम केलोद करताल में शासकीय भूमि सर्वे नंबर 272, 282 पर अवैध उत्खनन करते हुए मौके पर तीन पोकलेन एवं तीन डंपर जब्त किये गये। एस.डी.एम. कल्याणी पांडे ने बताया कि उक्त कार्यवाही राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

कलेक्टर सिंह ने नेहरू स्टेडियम पहुंचकर निर्वाचन की तैयारियों का जायजा लिया

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने लोकसभा निर्वाचन-2024 की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर डीसीपी ट्रैफिक मनीष कुमार अग्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा अपर कलेक्टर राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर सिंह ने इस मौके पर लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान दलों को सामग्री के वितरण व्यवस्था, स्ट्रांग रूम व्यवस्था, मतगणना कक्षों की व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि निर्वाचन की सभी तैयारियां निर्वाचन आयोग द्वारा तय दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित समय पर की जाये। इसके पश्चात कलेक्टर सिंह लोकसभा निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा उपयोग में लायी जाने वाले विभिन्न सामग्रियों/साधनों के बाजार दर निर्धारण के लिये आयोजित बैठक में शामिल हुए। बैठक में निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा उपयोग में लायी जाने वाली विभिन्न सामग्रियों/साधनों के बाजार दर का निर्धारण किया गया। इसमें टेंट संबंधी सामग्री, कैटरिंग सामान, पंखा/कूलर/ए.सी. साउंड सिस्टम, लाइट, प्रचार सामग्री, बैंड, ढोलक, फ्लावर डेकोरेशन, प्रिंटिंग, स्टेशनरी, जलपान, स्वल्पाहार, भोजन, फल, फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी आदि का निर्धारण किया गया।

इंदौर में नशे के लिए सीरप का इस्तेमाल

● **26 साल के युवक से 55 बोतलें जब्त; युवाओं को बेचता था**

इंदौर (नप्र)। पुलिस ने इंदौर के एक युवक से प्रतिबंधित सीरप की 55 बोतलें और 15 किलो ग्रांजा जब्त किया है। आशंका है कि यह सीरप नशे के लिए इस्तेमाल होती है। इसे युवक तस्करी कर युवाओं को सप्लाई करता था। सीरप को वह कहां से लाया था, इसका खुलासा नहीं हुआ है। बोतल पर हिमाचल प्रदेश की कंपनी विंग्स बॉयोटैक का नाम दर्ज है। हालांकि, बोतलें कंपनी की ही हैं या स्टीकर लगाकर बेची जा रही थी, यह साफ नहीं है। पुलिस ने एफआईआर में कौरेक्स दवा का जिक्र किया है। सरकार पूर्व में फाइजर कंपनी की कोरेक्स सीरप को प्रतिबंधित कर चुकी है और अब यह नए नाम से बिकती है। पुलिस के मुताबिक लेशा गार्डन के सामने 51 नंबर रोड से आरोपी आकाश पिता मुन्ना लाल कौशल (26) निवासी लक्ष्मीपुरी कॉलोनी क्राइम ब्रांच और मल्हारगंज पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। उसके कब्जे से पुलिस ने 15 किलो 300 ग्राम गांजा मिला। साथ ही छानबीन की गई तो प्रतिबंधित सीरप की 55 शीशियां भी मिली। 55 की संख्या में मिली बोतलों में कुल तरल 5.5 लीटर मिला है। गांजा और सीरप की कीमत करीब 1.60 लाख रुपए है। पुलिस ने आरोपी के पास से बिना नंबर प्लेट की सफेद रंग की एक एक्टिवा भी जब्त की है।

विंग्स बायोटेक एलएलपी की मैन्यूफेक्क्ररिंग – मल्हारगंज पुलिस ने आरोपी के पास से सिरप की जो बॉटलें जब्त की है उनकी मैन्यूफेक्क्ररिंग विंग्स बायोटेक एलएलपी की है। दिसंबर 2023 की मैन्यूफेक्क्ररिंग बॉटल पर लिखी गई है।

आधा इंदौर और महंगा.... सांवेर रोड पर 160 नई कॉलोनियां हो गईं विकसित

इंदौर। 1 अप्रैल से इंदौर जिले की गाइडलाइन वृद्धि को मंजूरी मिल गई है। केन्द्रीय मूल्यांकन समिति की भोपाल में हुई बैठक में इंदौर सहित अन्य जिलों की प्रस्तावित गाइडलाइन को मंजूरी दी गई, जिसमें लगभग आधा इंदौर और भी महंगा हो गया है, क्योंकि 5 हजार में से 2400 से अधिक स्थानों पर गाइडलाइन में वृद्धि कर दी गई है। सबसे अधिक सांवेर रोड पर 160 नई कॉलोनियां विकसित हुई, जो आगामी वित्त वर्ष की गाइडलाइन में शामिल की गई है। अब आवासीय भूखंडों पर 10 फीसदी, तो कृषि पर 9 फीसदी अधिक स्टाम्प ड्यूटी चुकाना पड़ेगी।

बीते वर्षों में इंदौर की गाइडलाइन लगातार बढ़ाई जाती रही। इसके चलते जब अचल संपत्तियों के कारोबार में मंदी आई तब यही गाइडलाइन सभी को महंगी पड़ने लगी, जिसके चलते बाद के वर्षों में गाइडलाइन में इजाफा नहीं किया गया और तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने तो 20 फीसदी गाइडलाइन में कमी भी कर दी। बीते डेढ़ सालों से इंदौर का रियल एस्टेट कारोबार तेजी से बढ़ा, जिसके चलते अब आगामी वित्त वर्ष के लिए फिर गाइडलाइन में वृद्धि को मंजूरी दी गई है। वैसे तो बायपास, खंडवा रोड से लेकर सुपर कॉरिडोर और इंदौर-उज्जैन रोड पर सबसे अधिक जमीनों में तेजी रही और धड़ाधड़ कॉलोनियां भी कटने लगी। अभी जो 1 अप्रैल से गाइडलाइन लागू होगी उसमें सबसे अधिक इंदौर से सांवेर के बीच विकसित हुई 160 नई कॉलोनियां शामिल की गई है। दरअसल, इंदौर जिले में लगभग 5 हजार लोकेशन हैं, जहां पर गाइडलाइन मान्य की गई है। अब उनमें से लगभग 50 फीसदी यानी आधा इंदौर और महंगा कर दिया है। हालांकि यह भी सच है कि इनमें से अधिकांश जगहों पर अभी भी बाजार मूल्य 2 से 4 गुना ज्यादा है। मगर चूंकि गाइडलाइन उतनी नहीं बढ़ाई जा सकती % अन्यथा सरकार को जमीन अधिग्रहण के बदले दो से चार गुना राशि उतनी और ज्यादा देना पड़ेगी। अभी 800 ऐसे स्थान हैं जहां कृषि जमीनें महंगी की गई हैं। ये वे स्थान हैं जहां इस वित्त वर्ष में सबसे अधिक खरीद-फरोख्त दर्ज हुई। यहां पर 9 फीसदी गाइडलाइन में इजाफा किया गया है। इसी तरह 2400 स्थान ऐसे हैं जहां पर आवासीय भूखंड यानी कॉलोनियां मौजूद हैं। उनमें 10 फीसदी गाइडलाइन में वृद्धि की गई है। वरिष्ठ जिला पंजीयक दीपक कुमार शर्मा के मुताबिक कल तक 2120 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया जा चुका है और अब मार्च के बचे दिनों में भी बड़ी संख्या में रजिस्ट्रियां होंगी। अभी तक 1 लाख 60 हजार दस्तावेज पंजीबद्ध हो गए हैं और अब 31 मार्च तक छुट्टियों के दिन भी रजिस्ट्रियां की जाती रहेंगी।

61 सरकारी स्कूलों की जमीनों पर लाएगा हाउसिंग बोर्ड रिडेंसीफिकेशन स्कीम

इंदौर। हुकुमचंद मिल की जमीन को भी हाउसिंग बोर्ड विकसित करेगा, तो एलआईजी चौराहा पर जर्जर पुरानी बिल्डिंगों के अलावा नेहरू नगर को भी रिडेंसीफिकेशन स्कीम के तहत विकसित किए जाना है। इसी कड़ी में अब शहर के जर्जर और बदहाल स्कूलों के कायाकल्प का प्रस्ताव कलेक्टर आशीष सिंह ने तैयार करवाया है। और यहां पर अमल में लाए जाने वाली रिडेंसीफिकेशन स्कीम का जिम्मा हाउसिंग बोर्ड को सौंपा है। अभी ऐसे 61 सरकारी स्कूल हैं जिनकी जमीनों से प्राप्त राशि से नए भवन बनेंगे और शेष जमीन का निजी डेवलपर इस्तेमाल कर सकेंगे। अभी 250 से अधिक सरकारी स्कूल बदहाल कम्युनिटी हॉल में संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 35 से अधिक हायर सेकेंडरी, 90 मिडिल स्कूल, प्राइमरी तथा एक दर्जन हाई स्कूल शामिल हैं।

हाउसिंग बोर्ड को ही शासन ने सरकारी जमीनों पर प्रोजेक्ट लाने की अनुमति कुछ समय पूर्व दी थी जिसमें पुनर्घनत्वीकरण योजना यानी रिडेंसीफिकेशन स्कीम के तहत नए सरकारी भवनों को बनाने, उनके कायाकल्प करने और उसके साथ की खाली जमीन का व्यवसायिक दोहन किया जा सके, ताकि वहां के प्रोजेक्ट की लागत उससे वसूल हो सके। पिछले दिनों नगर निगम के आधिपत्य वाली हुकुमचंद मिल की 42 एकड़ जमीन भी हाउसिंग बोर्ड को सौंपी गई और इसके एवज में उसने लगभग 500 करोड़ रुपए की राशि जमा भी करवाई, जिसमें से मजदूरों को उनके हिस्से की 170 करोड़ रुपए से अधिक की जमा पूंजी वितरित की जा रही है, तो संबंधित वित्तीय संस्थाओं, बैंकों की भी बकाया राशि का निपटान किया गया। दूसरी तरफ हाउसिंग बोर्ड अपनी ही वर्षों पुरानी कॉलोनियों-बिल्डिंगों को भी इस स्कीम के तहत नए सिरे से तैयार करने में जुटा है।

एलआईजी चौराहा स्थित जर्जर बिल्डिंगों से लेकर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और नेहरू नगर भी शामिल है। अब सरकारी स्कूलों में नए भवन बनाने और उसके कायाकल्प का जिम्मा भी हाउसिंग बोर्ड को प्रशासन ने सौंपा है। कलेक्टर सिंह ने इस संबंध में महत्वपूर्ण बैठक भी बुलाई, जिसमें इंदौर के सरकारी स्कूलों की अनुपयोगी और खाली पड़ी जमीनों को रीडेंसीफिकेशन स्कीम में शामिल करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में अपर कलेक्टर रोशन राय, नगर निगम के अपर आयुक्त श्यामेंद्र जायसवाल, जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि शासकीय स्कूलों की रिक्त तथा अनुपयोगी जमीनों को पुनर्धनत्वीकरण योजना में शामिल करने के लिए प्रस्ताव तैयार करे।

भाजपा का पूरा जोर मतदान पर

इंदौर। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने से पहले ही भाजपा मैदान पकड़ चुकी है। पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से अनिवार्य रूप से मतदान करने की गुहार लगा रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के आंकडे बताते हैं कि जब-जब मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, भाजपा फायदे में रही है। यही वजह है कि इस बार भी पार्टी ने शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा है। पार्टी ने इसकी तैयारी कर भी ली है। मतदान के लिए मतदाताओं को घरों से बाहर निकालने में माहिर भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के कई सत्र हो भी चुके हैं। इधर दूसरी तरफ कांग्रेस खेमे में निराशा है। कांग्रेस के कार्यकर्ता इस बात से भी दुखी है कि जिन नेताओं के लिए वह वर्षों से मेहनत करता रहा वे खुद ही भाजपा का दामन थाम रहे हैं। भाजपा का पूरा जोर इस बार के लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने पर है। पार्टी के वरिष्ठ नेता बाबूसिंह रघुवंशी के मुताबिक हमने इसे लेकर तैयारियां बहुत पहले ही शुरू कर दी थीं। पन्ना प्रमुख के पास एक-एक मतदाता की जानकारी होती है। हमारा लक्ष्य शत प्रतिशत मतदान कराने का है। इसे लेकर हम समय समय पर हम प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित कर रहे हैं। इस बार हमने मतदाताओं से सीधे संपर्क की रणनीति भी बनाई है। इसके तहत ही गांव चलो अभियान, लाभार्थी संपर्क अभियान आदि आयोजन हो चुके हैं। जल्द ही कुछ अन्य आयोजन भी होंगे। हमारे नेता मतदाताओं से सीधे संपर्क कर रहे हैं और निश्चित ही इसका फायदा हमें मिलेगा।

अकेले इंदौर में हैं 16 हजार से ज्यादा पन्ना प्रमुख – पन्ना प्रमुख भाजपा की रीढ़ की हड्डी के समान हैं। शासन की योजनाओं, कार्यक्रम इत्यादि की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में वे प्रमुख भूमिका निभाते हैं। रघुवंशी के मुताबिक अकेले इंदौर लोकसभा क्षेत्र में पार्टी के 16 हजार से ज्यादा पन्ना प्रमुख हैं। शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को हासिल करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। मतदाता सूची के एक पन्ने में शामिल मतदाताओं ने मतदान किया या नहीं, कहीं कोई मतदाता मतदान के लिए शहर से बाहर तो नहीं है, कहीं किसी मतदाता को मतदान में किसी तरह की कोई परेशानी तो नहीं हो रही है, जैसे मुद्दों को हल करने में ये पन्ना प्रमुख माहिर होते हैं।

पार्षद निशा देवलिया का निर्वाचन शून्य घोषित करने का मामला पहुंचा हाई कोर्ट

इंदौर। वार्ड 44 से पार्षद चुनी गई निशा देवलिया का निर्वाचन शून्य घोषित करने के जिला न्यायालय के फैसले को उन्होंने हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की है। न्यायमूर्ति अनिल वर्मा के समक्ष याचिका में बुधवार को सुनवाई होना है। गौरतलब है कि करीब डेढ़ वर्ष पहले हुए नगर निगम चुनाव में वार्ड 44 से भाजपा की निशा देवलिया ने कांग्रेस की नंदनी पिंटू मिश्रा को पराजित कर 1026 मतों से जीत दर्ज की थी। चुनाव के बाद मिश्रा ने देवलिया के खिलाफ जिला न्यायालय में याचिका दायर कर उनका निर्वाचन शून्य घोषित करने की मांग की थी।

शपथ पत्र में दी गलत जानकारी – याचिका में कहा था कि देवलिया ने नामांकन पत्र दाखिल करते समय जो शपत्र पत्र दिया था उसमें गलत जानकारी दी थी। उन्होंने शपत्र पत्र में 200 वर्गफीट के टीन शेड के मकान की जानकारी दी और संपत्तिकर भी उसी के हिसाब से भरा जाना बताया, जबकि उनका मकान 1600 वर्गफीट का है और रजिस्ट्री में भी इतना क्षेत्रफल ही है।

नंदनी मिश्रा को विजयी घोषित किया – इस आधार पर जिला न्यायालय ने देवलिया का निर्वाचन शून्य घोषित कर नंदनी मिश्रा को विजयी घोषित कर दिया था। इस फैसले के विरुद्ध देवलिया ने एडवोकेट हर्षवर्धन शर्मा, प्रेरित सेन के माध्यम से हाई कोर्ट में सिविल रिवीजन दायर की है। संभवत~इस पर बुधवार को सुनवाई होगी।

मंत्री विजयवर्गीय, मंत्री सिलावट, महापौर द्वारा 24 करोड़ के भूमिपूजन व 7 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

80 नवीन स्वच्छता वाहन, 4 चलित दीनदयाल रसोई वाहन, 6 मोक्ष रथ का लोकार्पण

इंदौर। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश में शहर में किये जा रहे विकास कार्यों की श्रृंखला में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा निगम परिसर में 24 करोड़ की लागत से विभिन्न कार्यों के भूमिपूजन, 7 करोड़ की लागत से विकास कार्यों के लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही अतिथियों द्वारा 80 नवीन स्वच्छता वाहन, दीनदयाल रसोई योजना के तहत 4 चलित रसोई वाहन, 6 मोक्ष रथ सुविधा का भी शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर मंत्री विजयवर्गीय, मंत्री सिलावट, महापौर भार्गव, सांसद लालवानी व अन्य अतिथियों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजना अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना हेतु 4 चलित रसोई वाहन का शुभारंभ करते हुए, मात्र 5 रूपये में गरीब जरूरतमंद व्यक्तियों को सस्ते दरों पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराते हुए, स्वयं हाथों से हितग्राही को भोजन परोसा गया। इसके साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था हेतु राशि रूपये 4 करोड 63 लाख की लागत से 50 नग घर-घर कचरा संग्रहण वाहन, राशि रूपये 2 करोड़ 76 लाख की लागत से 30 नग ओपन टीपन कचरा वाहन का शुभारम्भ करते हुए, वाहन चालक को चाबी सौंपी गई। इसके साथ ही शहर के लिए रूपये 1 करोड़ 7 लाख की लागत से 06 मोक्ष रथ की सुविधा का भी शुभारम्भ किया गया। साथ ही अतिथियों द्वारा पोर्टल की लॉचिंग व नवनियुक्त राजस्व निरीक्षक को आदेश प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया।

सिर्फ 35 जमीन मालिकों को ही मिलेगा हाईकोर्ट आदेश का लाभ

इंदौर। लगभग 35 साल पहले इंदौर विकास प्राधिकरण ने निरंजनपुर और पिपल्याकुमार क्षेत्र में 84.237 हेक्टेयर यानी 210 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करते हुए योजना 114 पार्ट-1 और पार्ट-2 घोषित की थी और फिर इसे बाद के वर्षों में अमल में लाया गया। कुछ रसूखदारों की जमीनें शासन स्तर पर योजना को अमल में लाए जाने के दौरान ही छूट गई। थी, तो कुछ गृह निर्माण संस्थाओं को भी अनुबंध के आधार पर भूखंड दिए गए। वहीं शेष जमीनों पर प्राधिकरण ने भूखंडों को विकसित कर बेच भी दिया। अभी हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 46 पेज का विस्तृत आदेश पारित किया, जिसमें याचिकाकर्ता 35 जमीन मालिकों को इसका फायदा मिलेगा और उनकी जमीनों पर किया गया अधिग्रहण अवैध करार दिया गया है।

जिन जमीन मालिकों को इसका फायदा मिलना है वे बीते कई सालों से कोर्ट-कचहरी ही कर रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई की। प्राधिकरण ने 1989 में ये योजना घोषित करते हुए उसका नोटिफिकेशन करवाया था और उसके बाद जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया की गई। अभी न्यायमूर्ति द्वय ने जो फैसला दिया उसका लाभ अभिभाषक मुदित माहेश्वरी के मुताबिक 35 याचिकाकर्ताओं को ही मिलेगा। उनकी ओर से श्री माहेश्वरी ने ही तथ्यात्मक जानकारी हाईकोर्ट के समक्ष रखी। इन जमीन मालिकों में मनोहरलाल, श्यामलाल, रामेश्वर, बाबूलाल त्रिवेदी के अलावा जितेन्द्र, महेन्द्र जैन और अन्य भी शामिल हैं। जैन नर्सरी की चर्चित जमीन के साथ अन्य कुछ जमीनें भी इस फैसले के दायरे में आ रही है।

प्राधिकरण जाएगा सुप्रीम कोर्ट – प्राधिकरण के भू-अर्जन अधिकारी सुदीप मीणा का कहना है कि हाईकोर्ट के इस आदेश की जानकारी ली जा रही है और फिर विधि विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श कर इस मामले में निर्णय लिया जाएगा। वैसे तो प्राधिकरण सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ एसएलपी दायर करेगा ही, क्योंकि पूर्व में भी इस तरह के मामलों में प्राधिकरण का यही रुख रहा है। सूत्रों का कहना है कि प्राधिकरण की एक मजबूरी यह है कि उसे हाईकोर्ट में हारने के बाद सुप्रीम कोर्ट जाना ही पड़ता है। अन्यथा उस पर यह आरोप लगते हैं कि वह जमीन मालिकों को उपकृत करना चाहता है। इसलिए फैसले के खिलाफ अपील नहीं की गई। लिहाजा ऐसे अधिकांश प्रकरणों में प्राधिकरण सुप्रीम कोर्ट में अपील करता है और वहां से कई मौकों पर उसके पक्ष में फैसले आए भी हैं। यही कारण है कि 114 पार्ट-1 और पार्ट-2 के जमीन अधिग्रहण के मामले में जो ताजा फैसला हाईकोर्ट से आया हैउसका अध्ययन कर प्राधिकरण सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगा। प्राधिकरण का कहना है कि यह मामला सालों से कोर्ट में ही चल रहा है और यह जमीन फिलहाल खाली भी है। इस फैसले में कितनी जमीनें शामिल हैं और वर्तमान में उनकी क्या स्थिति है इसकी जानकारी भी प्राधिकरण हासिल कर रहा है। इस योजना में नीरंजनपुर की 57.351 हेक्टेयर और पिपल्याकुमा की 20.695 हेक्टेयर जमीन शामिल की गईहै। अभी हाईकोर्ट ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को गलत बताया और उसे न्यायसंगत भी नहीं माना है और सीधे पक्ष सुने बिना धारा 17 का इस्तेमाल करते हुए जमीनों का अधिग्रहण कर लिया गया।

1200 से ज्यादा फ्लैट बिके... रीजनल पार्क को ठेके पर देने का टेंडर निरस्त

महापौर परिषद में टैंकर चलाने का भी लिया निर्णय, 11 करोड़ से अधिक की सड़क भी मंजूर

इंदौर। महापौर परिषद बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के आबंटन में पिछले दिनों उजागर हुए घोटाले की गूंज फिर सुनाई दी। दरअसल इस मामले को उठाने वाले जनकार्य समिति प्रभारी राजेन्द्र राठौर ने दोषी अधिकारियों और कंसल्टेंट पर कार्रवाई करने की बात कही, जिस पर आयुक्त ने नोटिस देना तय किया। वहीं 1200 से अधिक फ्लैटों के आबंटनों को भी मंजूरी दी गई। श्री राठौर के मुताबिक आबंटन में गड़बड़ी पकड़ने का फायदा यह हुआ कि अब तेजी से फ्लैट बिकने लगे। वहीं दूसरी तरफ रीजनल पार्क को ठेके पर देने का जो टेंडर मिला था उसे निरस्त कर नए सिरे से बुलाने का भी निर्णय लिया।

रीजनल पार्क को ठेके पर देने का निर्णय बीते कई सालों से नगर निगम ले ही नहीं पाया, जिसके चलते 50 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर प्राधिकरण ने जो खूबसूरत पार्क बनाकर सौंपा वह बदहाल ही हो गया। पिछले दिनों एक निजी फर्म ने एक करोड़ ग्यारह लाख रुपए का ऑफर निगम को संचालन के एवज में देने का दिया। मगर कल महापौर परिषद की बैठक में इस टेंडर को निरस्त कर नए सिरे बुलाने का निर्णय लिया गया, क्यों कि निगम का मानना है कि ठेकेदार द्वारा ऑफर की गई राशि कम है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने यह भी निर्णय लिया रीजनल पार्क के अलावा मेघदूत गार्डन और उससे जुड़ी हुई मंगल मैरीलैंड की जमीन को मिलाकर भी एम्यूजमेंट पार्क का प्रोजेक्ट तैयार किया जाए। महापौर की अध्यक्षता में आयोजित मेयर इन काउंसिल की बैठक में शहर के भूजल स्तर को बढाने के लिये शहर के जागरूक भू नागरिकों के सहयोग से जल संरक्षण अभियान चलाने के संबंध में निर्णय लिया गया।

कैट में तेंदुओं के पगमार्क मिलने के बाद सर्चिंग

रहवासियों में दहशत, रात को आवाजाही में सावधानी रखने की सलाह

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी (आरआर कैट) कैंपस में दो तेंदुए देखे जाने के बाद रहवासियों में दहशत है। कल से सर्चिंग में लगी वन विभाग की टीम को तेंदुओं के पदमार्क भी मिले हैं। अनुमान है कि वे इस सघन क्षेत्र में ही हो सकते हैं। इसके चलते रहवासियों को रात को आ?वाजाही के दौरान सावधानी बरतने को कहा गया है।

यहां भी मिले पगमार्क –ये पगमार्क कच्चे मिट्?टी वाले रास्ते में मिले हैं और स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। यह भी अंदाजा है कि तेंदुए दो ही हैं क्योंकि एक साथ कई पगमार्क मिले हैं। हालांकि अभी किसी अन्य स्थान पर तेंदुए के देखे जाने की सूचना नहीं है। ऐस में अभी वन विभाग यहीं सर्चिंग में लगी है। उसे पकड़ने के लिए पिंजरे भी लगाए जा रहे हैं।

तेंदुए की सर्चिंग में लगी टीम – दरअसल, रविवार रात कैंपस में दो तेंदुए देखे गए। वॉच टॉवर पर तैनात कैट कैंपस में सिक्योरिटी के लिए तैनात सीआईएसएफ जवान ने उत्तरी बाउंड्री वॉल के पास 2 तेंदुए देखने की जानकारी दी थी। केट कैंपस 1678 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें काफी बड़ा ओपन एरिया भी है, जो जंगल की तरह है। कैंपस में 1 हजार से ज्यादा परिवार रहते हैं। यहां की सुरक्षा व्यवस्था सीआईएसएफ के पास है। कैंपस के ओपन एरिया में अन्य जानवर भी हैं।

पिछले दिनों इन्फोसिस, नैनोद व समर्थ सिटी में भी तेंदुआ दिखा था। समर्थ सिटी में एक बार तेंदुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। 20-25 दिन तक सर्चिंग की गई थी, लेकिन पकड़ में नहीं आया था। अब कैट परिसर में मूवमेंट शुरू हुई है। कैट के पीछे बेटमा, सिंहासा भी लगा है अनुमान है कि तेंदुए वहां भी जा सकते हैं। संभवत~ पानी और शिकार की तलाश में तेंदुआ कैट में प्रवेश कर गया।

संपादकीय | विदेशों में रोजगार अवसरः धोखे में भारतीय युवा

प्रलोभन देकर रूसी सेना में भर्ती कराए गए भारतीय युवाओं का मामला उजागर होने के बाद सरकार सतर्क हो गई है। जांच एजंसियां जगह-जगह छापे मार कर पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि अब तक कितने ऐसे भारतीय युवाओं को धोखे से रूस भेजा और वहां की सेना में भर्ती कर यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में तैनात किया गया है। अभी तक इसका वास्तविक आंकड़ा पता नहीं चल सका है, मगर सीबीआइ की जांच में खुलासा हुआ है कि कई एजंसियों ने बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं को छात्र वीजा पर रूस भेजा और वहां उन्हें सेना में सहायक के रूप में तैनात कर दिया गया।

यह मामला तब सामने आया, जब वहां से कुछ युवाओं के मारे जाने की खबरें आईं। अब सरकार उन एजंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और धोखे से रूस भेजे गए भारतीय युवाओं को मुक्त कराने का प्रयास कर रही है। हालांकि यह कोई पहली घटना नहीं है, जब युवाओं ने रोजगार की तलाश में दूसरे देश का रुख किया।

एजंटों की मदद लेकर गलत तरीके से दूसरे देश में प्रवेश पा गए। अक्सर खाड़ी देशों से भी इसी तरह भारतीय युवाओं के बंधक बनाए जाने की खबरें आती हैं, जो नौकरी दिलाने वाले एजंटों की मदद से वहां जाते हैं। पिछले वर्ष एजंटों की मदद से चोरी-छिपे अमेरिकी सीमा में प्रवेश करने की कोशिश करते कई नौजवान मारे गए थे।

करीब दो महीना पहले ही जब इजराइल ने भारत से मजदूरों की मांग की और हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि की सरकारों ने वहां जाने के लिए युवाओं की भर्ती खोली, तो भीड़ उमड़ पड़ी। भारतीय युवाओं में विदेश जाकर नौकरी

करने की ललक कुछ अधिक देखी जाती है। यही वजह है कि ब्रिटेन, कनाडा आदि ऐसे देशों में जाने के लिए युवा और उनके परिजन मुंहमांगी रकम देने को तैयार नजर आते हैं, जहां जाना आसान और रोजगार के अवसर अधिक हैं।

मगर गलत तरीके से रूस भेजे गए युवाओं के मामले से एक बार फिर रेखांकित हुआ है कि यह केवल विदेश जाकर नौकरी करने और बस जाने की ललक का मामला नहीं है। दुनिया के बहुत सारे देश जानते हैं कि भारत में श्रम सस्ता है, इसलिए भी वे भारतीय नौजवानों को अपने यहां काम का मौका देते हैं। फिर भारतीय युवा जब विदेश में मिलने वाले मेहनताना की तुलना भारत में मिलने वाले मेहनताने, वेतन, भत्तों आदि से करते हैं, तो उन्हें बहुत कम समय में अधिक बचत नजर आती है।

हालांकि नौकरी आदि के लिए विदेश जाने वालों के लिए पंजीकरण कराने का प्रावधान है, ताकि सरकार के पास उन लोगों को आंकड़ा रहे। मगर फिर भी बहुत सारे युवा नियम-कायदों के मुताबिक काम न मिल पाने की वजह से एजंटों के जरिए दूसरे देशों में प्रवेश कर जाते हैं। वहां उन्हें तरह-तरह की प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। यह स्थिति इसलिए है कि अपने देश में उन्हें उनके हुनर के मुताबिक काम के अवसर उपलब्ध नहीं हैं। जिन्हें काम मिल भी जाता है, उन्हें गुजारे लायक पैसा भी बड़ी मुश्किल से मिल पाता है। मगर सरकार का दावा है कि बेरोजगारी की दर लगातार घट रही है। स्टार्टअप, मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों से युवाओं को प्रोत्साहन मिल रहा है। अगर ऐसा होता, तो शायद इतने सारे युवाओं को रूस जाकर जोखिम वाली स्थितियों में काम न करना पड़ता।

सोशल मीडिया से...

कोई भी देश या समाज में नारी शक्ति की गरिमा बढ़ाते हुए ही आगे बढ़ सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से पहले की सरकारों के लिए महिलाओं की मुश्किलें और उनका जीवन कभी प्राथमिकता नहीं रही, मेरा अनुभव है कि अगर महिलाओं का थोड़ा अवसर-सहारा मिल जाए तो उन्हें सहारे की जरूरत नहीं रहती है वे लोगों का सहारा बन जाती हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नई सड़कों के निर्माण से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। नए उद्योगों का विकास होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण करने के साथ हम राज्य को विकास के रास्ते ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नीतिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

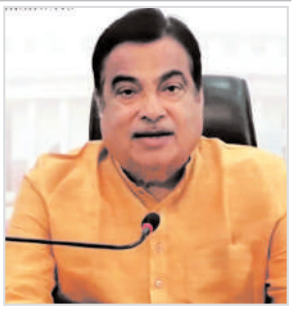

बॉण्ड पर उच्चतम न्यायालय का फ़ैसला पारदर्शिता, जवाबदेही, और लोकतंत्र में बराबरी के मौक़े की जीत है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि उच्चतम न्यायालय एक बार फिर से भारतीय लोकतंत्र को सरकार की साजिशों से बचाने के लिए सामने आया है।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

भाजपा का आखिरी लक्ष्य बाबासाहेब के संविधान को खत्म करना है। उन्हें न्याय, बराबरी, नागरिक अधिकार और लोकतंत्र से नफरत है। हम आजादी के नायकों के सपनों के साथ ये षड्यंत्र सफल नहीं होने देंगे और अंतिम सांस तक संविधान से मिले लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

किसने नहीं निभाया गठबंधन धर्म...?

राजनीतिक गठबंधन के दो बेसिक रूल हैं, या तो पहले सीट शेयरिंग हो, या चुनाव के बाद कार्यक्रम आधारित गठबंधन हो। इंडी एलायंस इन दोनों रूल का पालन नहीं कर रहा था। गठबंधन कर लिया, लेकिन सीट शेयरिंग नौ महीने तक टली रही। क्षेत्रीय दल पहले दिन से कह रहे थे कि मीटिंग मीटिंग छोड़ो, पहले सीट शेयरिंग करो। लेकिन कांग्रेस के मन में बेईमानी थी, इसलिए सीट शेयरिंग को छोड़ कर राहुल गांधी को जन समर्थन लेने के लिए यात्रा पर भेज दिया। यह क्षेत्रीय दलों पर दबाव बनाने की रणनीति थी कि कांग्रेस ज्यादा मजबूत है, इसलिए उसे उनके राज्यों में ज्यादा सीट चाहिए। इसलिए बेईमानी की नींव पर खड़ा इंडी एलायंस चुनावों से पहले ही अपनी ताकत खो चुका है। जबसे देश में गठबंधन की राजनीति शुरू हुई है, हम पिछले 35 सालों से देख रहे हैं कि हर चुनाव से पहले गठबन्धनों में रि-एलायनमेंट होता है। एनडीए 1998 से कायम है, लेकिन हर चुनाव में उसके साथ कई दल छोड़कर जाते रहे, कई नए दल जुटते रहे।

अजय सेतिया

ममता बनर्जी ने इंडी एलायंस की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए पश्चिम बंगाल की सभी सीटों पर अपने उम्मीदवारों का एकतरफा एलान कर दिया। यह शुरू से ही स्पष्ट था कि वह बंगाल में कम्युनिस्टों के साथ किसी तरह का चुनावी गठबंधन करके उन्हें बंगाल की खोई हुई जमीन पर फिर से लौटने का मौक़ा नहीं देंगी। पटना में हुई विपक्ष की पहली बैठक के बाद जब सीताराम येचुरी की ममता बनर्जी के साथ खड़े हुए तस्वीर वायरल हुई थी, तो बंगाल के कम्युनिस्ट काडर ने तीखी प्रतिक्रिया प्रकट की थी। बंगाल में दोनों पक्षों के काडर में राजनीतिक दुश्मनी खून खराबे की हद तक है, इसलिए वे माकपा महासचिव सीताराम येचुरी या भाकपा महासचिव डी. राजा को ममता के साथ खड़ा नहीं देख सकते।

तब माकपा के नेताओं को बंगाल में जाकर कहना पड़ा था कि वे तृणमूल कांग्रेस के साथ कोई चुनावी गठबंधन नहीं करेंगे। कम्युनिस्टों ने बंगाल के साथ साथ यह भी साफ़ कर दिया था कि वे केरल में भी कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग नहीं करेंगे। इंडी एलायंस के लिए यह एक सही समय था कि कम्युनिस्टों को गठबंधन से बाहर रख कर विपक्षी मोर्चा बनता, जैसे कि 2004 में यूपीए बना था। कम्युनिस्टों ने 2004 से 2008 तक यूपीए सरकार को बाहर से समर्थन दिया था। 2008 में जब अमरीका के साथ परमाणु ईंधन समझौते के कारण कम्युनिस्टों ने समर्थन वापस लेकर अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, तो उसके बाद ममता बनर्जी यूपीए में शामिल हुई।2009 का लोकसभा चुनाव ममता बनर्जी ने यूपीए के साथ गठबंधन करके लड़ा क्योंकि कम्युनिस्टों का कांग्रेस से रिश्ता टूट चुका था। कांग्रेस के कम्युनिस्ट मोह के कारण ही ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस बनाई थी। 2009 के चुनाव के बाद वह कम्युनिस्टों के समर्थन के बिना बनी यूपीए सरकार में दुबारा रेल मंत्री भी बनी, इससे पहले एनडीए में रहते हुए भी वह वाजपेयी सरकार में रेल मंत्री थी।

इससे ममता और कम्युनिस्टों की राजनीति को समझा जा सकता था। कांग्रेस अगर 2008 में धोखा देने वाले कम्युनिस्टों को इंडी गठबंधन से बाहर रखती, तो पश्चिम बंगाल में उसे अधीर रंजन के घोर ममता विरोधी होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग में दिक्कत नहीं आती। कांग्रेस दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहती थी, लेकिन उसके हाथ में कुछ नहीं लगा। न बंगाल में ममता ने उन्हें कोई सीट दी, न केरल में कम्युनिस्टों ने उन्हें कोई सीट दी। ममता बनर्जी ने लंबी राजनीति के तहत कांग्रेस को बंगाल में अलग थलग किया है। वह देश भर में कम्युनिस्ट विरोध की राजनीति करना चाहती हैं, जबकि कांग्रेस बिना कम्युनिस्ट चलना नहीं चाहती, हालांकि कम्युनिस्ट सिर्फ केरल तक सिमट कर रह गए हैं।

तृणमूल कांग्रेस को फिर से कांग्रेस के मुकाबले राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाने के लिए ममता बनर्जी ने बिहार और गुजरात में पाँव फैलाना शुरू कर दिया है। उन्होंने बिहार के दो नेताओं शत्रुघ्न सिन्हा और कीर्ति आज़ाद को, तथा गुजरात के क्रिकेटर युसूफ पठान को पश्चिमी बंगाल में चुनाव मैदान में उतार दिया है।

कांग्रेस में भी ऐसे कई नेता हैं, जिनका मानना है कि राहुल गांधी ने कांग्रेस को कम्युनिस्ट पार्टी बना दिया है। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के मुखर समर्थक होकर कांग्रेस

की नीतियों का विरोध करने के कारण छह साल के लिए कांग्रेस से निकाले गए प्रमोद कृष्णम खुलेआम कहते हैं कि राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को कम्युनिस्ट पार्टी बनाकर रख दिया है।

बाकी राज्यों में जहां इंडी गठबंधन टूट गया है, वहां के अलग अलग कारण हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल और केरल में इंडी गठबंधन टूटने का कारण कांग्रेस का कम्युनिस्ट मोह है। पश्चिम बंगाल, केरल, बिहार और पंजाब में इंडी गठबंधन टूटने का दूसरा बड़ा कारण कांग्रेस की सीट शेयरिंग को लेकर लापरवाही भी है। ममता बनर्जी की तरह बिहार में नीतीश कुमार जल्दी से जल्दी सीट शेयरिंग की मांग कर रहे थे, लेकिन लालू यादव भीतरघात की राजनीति करते हुए नीतीश कुमार की सरकार गिरा कर अपने बेटे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की राजनीति कर रहे थे। जिसे सही वक्त पर भांप कर नीतीश कुमार ने इंडी गठबंधन ही छोड़ दिया।

राजनीतिक गठबंधन के दो बेसिक रूल हैं, या तो पहले सीट शेयरिंग हो, या चुनाव के बाद कार्यक्रम आधारित गठबंधन हो। इंडी एलायंस इन दोनों रूल का पालन नहीं कर रहा था। गठबंधन कर लिया, लेकिन सीट शेयरिंग नौ महीने तक टली रही। क्षेत्रीय दल पहले दिन से कह रहे थे कि मीटिंग मीटिंग छोड़ो, पहले सीट शेयरिंग करो। लेकिन कांग्रेस के मन में बेईमानी थी, इसलिए सीट शेयरिंग को छोड़ कर राहुल गांधी को जन समर्थन लेने के लिए यात्रा पर भेज दिया। यह क्षेत्रीय दलों पर दबाव बनाने की रणनीति थी कि कांग्रेस ज्यादा मजबूत है, इसलिए उसे उनके राज्यों में ज्यादा सीट चाहिए। इसलिए बेईमानी की नींव पर खड़ा इंडी एलायंस चुनावों से पहले ही अपनी ताकत खो चुका है।

जबसे देश में गठबंधन की राजनीति शुरू हुई है, हम पिछले 35 सालों से देख रहे हैं कि हर चुनाव से पहले गठबन्धनों में रि-एलायनमेंट होता है। एनडीए 1998 से कायम है, लेकिन हर चुनाव में उसके साथ कई दल छोड़कर जाते रहे, कई नए दल जुटते रहे। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने 2004 तक का चुनाव एनडीए के साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन 2009 का चुनाव यूपीए के साथ गठबंधन करके लड़ा।

2004 में लोकसभा चुनावों के बाद बना यूपीए टूट चुका है। उसकी जगह जो इंडी एलायंस बना उसमें कम्युनिस्ट भी शामिल किए गए, जबकि इससे पहले कम्युनिस्ट किसी भी विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं थे। अब इस समय देश के सामने दो गठबंधन हैं। इंडी एलायंस गठबंधन के दोनों मूल सिद्धांतों पर खरा नहीं उतरता, क्योंकि इसमें पहले न सीट शेयरिंग हुई, न कार्यक्रम तय हुआ, न विचारधारा के मोर्चे पर सहमति है। गठबंधन का आधार सिर्फ और सिर्फ भाजपा और मोदी विरोध है। इसका नतीजा यह निकला है कि अपने अपने स्वार्थों के चलते जम्मू कश्मीर, पंजाब, केरल, बंगाल और बिहार में चुनाव से पहले ही गठबंधन टूट चुका है।

दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी जिस दल को भी एनडीए में शामिल कर रही है, उससे पहले सीट शेयरिंग कर रही है। टीडीपी को तब तक एनडीए में शामिल नहीं किया, जब तक उसके साथ आंध्र प्रदेश में सीट शेयरिंग नहीं हुआ। हालांकि टीडीपी पिछले कम से कम एक साल से एनडीए में दुबारा शामिल होने की कोशिश कर रही थी।

आपसी सहमति के बावजूद बीजू जनता दल की एनडीए में तब तक एंट्री नहीं होगी, जब तक सीट शेयरिंग नहीं होगी। यही बात पंजाब में अकाली दल से है। महाराष्ट्र और बिहार की बात अलग है, क्योंकि वहां चुनावों से पहले एनडीए की सरकारों का गठन हो गया था, इसलिए वहां सीट शेयरिंग अब हो रही है।

भारतीय जनता पार्टी अपने पुराने अनुभव के आधार पर गठबंधन की राजनीति कर रही है। भाजपा गठबंधन की राजनीति का अनुभव उसके जन्म से पहले जनसंघ के जमाने से 1967 से चल रहा है। जबकि कांग्रेस का गठबंधन का अनुभव सिर्फ 2004 से 2014 का है। तब कांग्रेस ने चुनाव बाद ईमानदारी से सरकार बनाने के लिए गठबंधन किया था, इस बार गठबंधन में बेईमानी ज्यादा थी, इसलिए सीट शेयरिंग को जानबूझ कर लटकाया गया। अब क्षेत्रीय दलों का धैर्य भी समाप्त हो रहा है और तृणमूल कांग्रेस की तरह वे भी अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने पर विचार कर सकते हैं।

पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को जीवित रखने के लिये पत्रकारिता के आचरण के मानकों का पालन जरूरी

- **नया प्रेस एक्ट पत्रकार एवं पत्रकारिता की बेहतरी के लिए होगा मददगार**
- **जनसम्पर्क विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न**

इंदौर। पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को जीवित रखने के लिये पत्रकारिता के आचरण के मानकों का पालन जरूरी है। पत्रकारिता के आचरण के मानकों का पालन कर समाज में विश्वसनीयता कायम रखी जा सकती है। नया प्रेस एक्ट पत्रकार एवं पत्रकारिता की बेहतरी के लिए मददगार होगा। नये प्रेस एक्ट से पत्रकारिता के आचरण के मानकों का पालन कर समाज में हम सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। नये प्रेस एक्ट से कार्यक्षमता में वृद्धि भी होगी तथा कार्य आसान और सुविधाजनक होगा। उक्त उदगार अतिथियों द्वारा संभागीय जनसंपर्क कार्यालय इंदौर द्वारा प्रेस एक्ट और पत्रकारिता के आचरण के मानक विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में व्यक्त किए गए। इस कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार रघुवीर तिवारी भोपाल, इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी, स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल और वरिष्ठ पत्रकार नवनीत शुक्ला ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने उक्त विचार व्यक्त किये।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अरविंद तिवारी ने कहा कि पुराने प्रेस एक्ट में विसंगतियां थी। नये प्रेस एक्ट में इन विसंगतियों को दूर करने का प्रयास किया गया है। नया प्रेस एक्ट कार्य क्षमता में वृद्धि में मददगार होगा। पत्रकारिता को संरक्षण मिलेगा, पत्रकारिता की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एक अच्छी पत्रकारिता के लिए जरूरी है कि संवाद, संपर्क एवं सूत्र मजबूत हों। उन्होंने नई पीढ़ी के पत्रकारों से आग्रह किया कि वह समाज में सम्मान पाने के लिए बेहतर आचरण रखें। श्री तिवारी ने कहा कि भारतीय प्रेस परिषद ने प्रेस एक्ट में बदलाव कर अपना काम कर दिया है, पत्रकारों को भी अब अपने दायित्वों का निर्वाह पूर्ण ईमानदारी के साथ करना होगा। भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार रघुवीर तिवारी ने कहा कि तकनीकी के नए युग में न्यूज़ का स्वरूप भी बदल रहा है। पत्रकारिता का दायरा भी बढ़ा है। प्रसारण के तौर तरीके में भी तेजी से बदलाव आया है। तकनीकी के नए दौर में पत्रकारिता के स्वरूप में हमें अपनी मूल पत्रकारिता को नहीं खोना चाहिए। अपनी विश्वसनीयता को हर हाल में कायम रखना होगा। श्री तिवारी ने कहा कि नया प्रेस एक्ट नैतिक मूल्यों के संरक्षण में मददगार होगा। यह एक्ट हमारे कार्यों को सहज एवं सुविधाजनक बनाएगा।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए नवनीत शुक्ला ने कहा कि पहले पत्रकार एवं पत्रकारिता के एक निश्चित सिद्धांत होते थे। पत्रकारिता मिशन थी। आज इसमें नकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता व्यवसाय नहीं है, इसे अगर दिल और दिमाग से करेंगे तो हमें सम्मान जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रेस एक्ट में समय की जरूरत के मान से आवश्यक संशोधन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता ऊर्जा एवं अनुभव के साथ में निखरती है। प्रवीण खारीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि नया प्रेस एक्ट पत्रकारिता को नया स्वरूप देगा। प्रेस से जुड़े लोगों का दायित्व है कि वह नए प्रेस एक्ट का उपयोग कर समाज को नई दिशा दिखाएं। श्री खारीवाल ने कहा कि पत्रकारों को अपने आचरण में सुधार लाने की जरूरत है। समाज हित में अधिक से अधिक अपनी कलम का उपयोग करें। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयुक्त संचालक जनसंपर्क डॉ. आर. आर. पटेल ने स्वागत उद्बोधन देकर कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन संजय लाहोटी ने किया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में पत्रकारगण मौजूद थे।

प्रलेसं और स्टेट प्रेस क्लब ने 'स्मरण' आयोजन में लेखकों को किया याद

इंदौर। साहित्यकारों को उनके जीवन काल में उतना सम्मान नहीं मिलता जिसके वे हकदार हैं। प्रोफेसर धनंजय वर्मा और मुनव्वर राना मानवीय मूल्यों के लेखक थे। ये विचार दो दिवंगत साहित्यकारों की स्मृति में आयोजित ÷स्मरण÷ कार्यक्रम में व्यक्त किए गए। हिंदी साहित्य के प्रखर आलोचक प्रोफेसर धनंजय वर्मा एवं विख्यात शायर मुनव्वर राना की स्मृति में प्रगतिशील लेखक संघ इंदौर इकाई एवं स्टेट प्रेस क्लब मध्य

प्रदेश द्वारा अभिनव कला समाज सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में भोपाल, उज्जैन, देवास के श्रोताओं और वक्ताओं ने भी शिरकत की। दो सत्रों में संपन्न आयोजन के पहले सत्र को संबोधित करते हुए श्री वर्मा की विद्यार्थी रही रेखा कस्तवार ने उनके अनेक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि जीवन की तरह ही साहित्य में भी शॉर्टकट नहीं होता है। आलोचना और रचना एक दूसरे के पूरक होते हैं, विरोधी नहीं। म. प्र. प्रगतिशील लेखक संघ अध्यक्ष मंडल के सदस्य, प्रोफेसर वर्मा के विद्यार्थी रहे शैलेंद्र शैली ने कहा कि इन लेखकों को याद करना मानवीय मूल्यों का स्मरण है। प्रोफेसर वर्मा ने अपनी शर्तों पर जीवन जिया, इस हेतु उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों को ठुकरा दिया था। उन्होंने ने जीवन के अनुभवों से मार्क्सवाद को समझा, इसी आधार पर वे वाम आंदोलन से आजीवन जुड़े रहे। प्रोफेसर शोभना जोशी ने कहा कि वे प्रोफेसर वर्मा एवं कमला प्रसादजी की विद्यार्थी रही है। विडंबना है कि साहित्यकारों की मृत्यु के बाद ही उन्हें याद किया जाता है। धनंजय जी ने अपने लेखन में वैचारिकता को बनाए रखा था। वे माटी से जुड़े लेखक थे।

कार्यक्रम में प्रलेसं के प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर सेवा राम त्रिपाठी द्वारा धनंजय वर्मा को दी गई श्रद्धांजलि का वाचन हरनाम सिंह ने किया। आयोजन में प्रोफेसर वर्मा की सुपुत्री निवेदिता भी सम्मिलित होने के लिए उज्जैन से आई थी। दूसरे सत्र में प्रोफेसर अजीज़ इरफान ने मुनव्वर राना को याद करते हुए कहा कि ÷वे कहते थे कि देश विभाजन में पाकिस्तान तो जीत गया और देश के मुसलमान हार गए।÷ लोगों को परखने का उनका अपना नजरिया था। वे बुरे में अच्छाई को और अच्छों में बुराई को तलाश लेते थे। पत्रकार और अनुवादक जावेद आलम ने कहा की मुनव्वर राना की शायरी के अनेक पहलू सामने नहीं आ पाए हैं। उनकी लोकप्रिय शायरी ही मंचों पर सुनी गई है। वे प्रतिरोध के भी शायर थे। जावेद आलम ने मुनव्वर राना की शायरी के माध्यम से उनके व्यक्तित्व की जानकारी दी। आयोजन का समाहार करते हुए प्रलेसं राष्ट्रीय सचिव मंडल के सदस्य विनीत तिवारी ने साहित्य के क्षेत्र में दोनों लेखकों के अवदान को याद किया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति मुकम्मल नहीं होता, दिवंगत लेखकों की अच्छाइयों से सीखा जाना चाहिए। आलोचना के क्षेत्र में नामवर सिंह के बाद धनंजय वर्मा का ही नाम आता है। इस आयोजन में मुनव्वर राना का वह व्यक्तित्व सामने आया है जो अब तक नजरों से ओझल था। विनीत तिवारी ने कुमार अंबुज की कविता का वाचन भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रलेसं इंदौर इकाई अध्यक्ष मंडल के सदस्य चुन्नीलाल वाधवानी ने कहा कि कट्टरता पुरानी बीमारी है इसके खिलाफ लेखकों को सामने आना चाहिए। उन्होंने सिंधी भाषा के कवियों के शेर भी सुनाएं। दोनों सत्रों का संचालन करते हुए शशि भूषण ने कहा कि देश के हालात सबके सामने हैं। कठिन परिस्थितियों में दिवंगत लेखकों का स्मरण संबल प्रदान करता है। अतिथियों का स्वागत स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने किया। आभार माना अभय नेमा ने।

संक्षिप्त समाचार

सोने-चांदी की कीमतों में हुआ बदलाव

चेक करें नए रेट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के घरेलू वायदा भाव मामूली गिरावट के साथ ट्रेड करते दिखे। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 अप्रैल 2024 की डिलीवरी वाला सोना मंगलवार सुबह 0.08 फीसदी या 55 रुपए की गिरावट के साथ 65,980 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड करता दिखा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोमवार को 24 कैरेट सोने का भाव 66,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर अपरिवर्तित रहा। वैश्विक बाजार में भी मंगलवार सुबह सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है।

सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी मंगलवार

सुबह गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 3 मई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 0.02 फीसदी या 13 रुपये की गिरावट के साथ 74,501 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी। हाजिर बाजार में सोमवार को चांदी की कीमतें 100 रुपए गिरकर 75,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई थीं। वैश्विक बाजार में भी मंगलवार सुबह चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

सोने-चांदी का वैश्विक भाव

सोने के वैश्विक भाव की बात करें, तो मंगलवार सुबह कॉमेक्स पर सोना 0.23 फीसदी या 5 डॉलर की गिरावट के साथ 2183.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोना हाजिर 0.22 फीसदी या 4.75 डॉलर की गिरावट के साथ 2178 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। सोने के साथ ही चांदी की वैश्विक कीमतों में भी मंगलवार को गिरावट देखने को मिली है। मंगलवार सुबह कॉमेक्स पर चांदी का भाव 0.22 फीसदी या 0.05 डॉलर की गिरावट के साथ 24.66 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी हाजिर 0.07 फीसदी या 0.02 डॉलर की गिरावट के साथ 24.45 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी समेत कई लोगों ने कंपनी छोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक टीम के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से कंपनी छोड़ दी है। यह बदलाव कंपनी में रणनीतिक पुनर्गठन के हिस्से के तहत किया गया है। एयर कंपनी स्पाइसजेट में एक बड़े बदलाव की खबर सामने आ रही है। कंपनी मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक टीम के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से कंपनी छोड़ दी है। कंपनी के अनुसार यह बदलाव रणनीतिक पुनर्गठन के तहत किया गया है। हाल के दिनों में कंपनी के राजस्व और लोड फैक्टर में लगातार और महत्वपूर्ण वृद्धि देखी जा रही है। हाल ही में फंड जुटाने के साथ, स्पाइसजेट ने पूर्व के सभी विवादों के समाधान की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी क्षमता बढ़ाने, तेजी से बढ़ने और भारतीय विमानन क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। इसके तहत कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं। स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन में रणनीतिक पुनर्गठन के तहत उसके वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है।

Cisco signs agreement with Karnataka govt to train 40k people in cybersecurity

Women will represent half of the trained workforce

Networking major Cisco has signed an agreement with the Karnataka government to train 40,000 people in cybersecurity skills and awareness. Women will represent half of the trained workforce to help meet the growing need for such skills as organisations bolster the cybersecurity, according to the memorandum of understanding the company signed with Karnataka Innovation Technology Society, Department of Electronics, Information Technology, Biotechnology.

As many as 90 per cent of organisations in India expect a cybersecurity incident to disrupt their businesses in the next 12 to 24 months, according to Cisco's Cybersecurity Readiness Index. The urgency for skill preparedness is clear as 40 per cent of cybersecurity teams in Indian organisations are understaffed, according to a report by the Information Systems Audit and Control Association. Cisco's collaboration with Karnataka underscores a collective commitment to equip students with job-ready cybersecurity skills, said a statement.

The collaboration will include a 'Train the Trainers' programme to empower college faculties with the knowledge and skills required to create a robust cyber ecosystem. This programme will also focus on promoting cyber awareness among citizens to bolster their defences and empower them to be safer and more secure online.

"As the digital-first world evolves, placing cybersecurity at the forefront, the imperative to equip individuals with the knowledge and skills to identify and respond to cyber threats has become increasingly crucial. Our collaboration with the Karnataka Innovation Technology Society and the Government of Karnataka Centre of Excellence for Cybersecurity underscores our commitment to empowering disadvantaged sections of society, including students, teachers, and senior citizens, with critical cyber security skills and awareness to protect against threats and be safer online," said Harish Krishnan, managing director and chief policy officer, Cisco India and SAARC.

Additionally, Cisco will collaborate with the Karnataka's Centre of Excellence for Cybersecurity to promote cybersecurity awareness and skill-building among students and professionals. Cisco will contribute to curriculum development by providing cyber security courses through Cisco Networking Academy.

विमानन कंपनियों के शुद्ध घाटे में आ सकती है कमी

यात्रियों के बढ़ने से मिलेगी मदद

नई दिल्ली , एजेंसी। एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी इन्फ्रा सहित पांच गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने प्रमाणपत्र आरबीआई को वापस लौटा दिया है। इसके बाद केंद्रीय बैंक ने सभी का पंजीकरण रद्द कर दिया। ये कंपनियां अब कारोबार नहीं कर पाएंगी।

भारतीय विमानन कंपनियों का शुद्ध घाटा चालू वित्त वर्ष में कम होकर 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये तक रहने का अनुमान है।अगले वित्त वर्ष में भी ऐसे रुझान बने रह सकते हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा, यात्रियों की संख्या में अच्छी बढ़ोतरी और किराया निर्धारण के नियमों से विमानन कंपनियों को मदद मिली। घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 12.75 करोड़ होने का अनुमान है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि विमानन क्षेत्र आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियों और प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) कंपनी के इंजन से संबंधित समस्याओं से भी जूझ रहा है। रेटिंग एजेंसी का दावा है कि भारतीय विमानन कंपनियों के परिचालन में शामिल कुल बेड़े का 24-26 फीसदी हिस्सा 31 मार्च, 2024 तक उड़ान भरना बंद कर देगा।

एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी इन्फ्रा सहित पांच गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने प्रमाणपत्र आरबीआई को वापस लौटा दिया है। इसके बाद केंद्रीय बैंक ने सभी का पंजीकरण रद्द कर दिया। ये कंपनियां अब कारोबार नहीं कर पाएंगी। इनके अलावा, मरुधर फूड एवं क्रेडिट, क्रिएटिव इंट्रा, जिनवानी ट्रेडिंग और मंजूश्री फिनकॉर्प के साथ श्रुति फाइनेंशियल ने भी प्रमाणपत्र लौटा दिए हैं। आरबीआई ने चार और एनबीएफसी के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। इनमें निमिशा फाइनेंस, आरएमबी फाइनेंस, सुयश फिनोवेस्ट और कामधार लीजिंग हैं। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) के बोर्ड ने सोमवार को 2023-24 के लिए तीन रुपये प्रति शेयर के तीसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी। इसके साथ, चालू वित्त वर्ष के लिए कुल अंतरिम लाभांश 10 रुपये के शेयर पर 11 रुपये है। जानकारी के अनुसार, तीसरे अंतरिम लाभांश भुगतान की रिकॉर्ड तिथि 22 मार्च, 2024 है। लाभांश भुगतान 10 अप्रैल, 2024 या उससे पहले होगा।

विमानन कंपनी इंडिगो की सूचीबद्ध मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लि. के सह संस्थापक राकेश गंगवाल ने कंपनी में थोक बिक्री के जरिये 6,785 करोड़ रुपये के शेयर सोमवार को बेच दिए।

हल्की बढ़त के साथ खुला शेयर बाजार

सेंसेक्स 42 और निफ्टी 6 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला है। बीते दिन बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था।

आज सेंसेक्स 42.52 अंक या 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,545.16 अंक पर खुला। निफ्टी 6.90 अंक या 0.03 प्रतिशत चढ़कर 22,339.60 अंक पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी पर अदाणी पोर्ट्स, बीपीसीएल, टीसीएस, इंफोसिस और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है, जबकि आईटीसी, नेस्ले, ब्रिटानिया, एचयूएल और एचडीएफसी लाइफ लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं।

सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो और भारती एयरटेल के शेयर में तेजी देखने को मिली है। आईटीसी, नेस्ले, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और टाटा स्टील के शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहा है।

एशियाई बाजारों में, हांगकांग और सियोल उच्च स्तर पर कारोबार कर रहे थे, जबकि टोक्यो और शंघाई नकारात्मक क्षेत्र में थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए।

वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.35 प्रतिशत उछलकर 82.50 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,212.76 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

आज डॉलर के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रही है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में रुपया ग्रीनबैक के मुकाबले 82.74 पर खुला, फिर 82.72 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 3 पैसे की वृद्धि दर्शाता है। सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे की गिरावट के साथ 82.75 पर बंद हुआ।

आईटीसी के शेयर में गिरावट, 400 से नीचे लुढ़का भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटीसी लिमिटेड के शेयरों में आज 12 मार्च को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और शेयर का भाव 2.5 प्रतिशत टूटकर 400 रुपए के नीचे चला गया। इस गिरावट के साथ ही कंपनी के शेयर अब अपने 499.7 रुपए के शिखर से करीब 20 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे हैं। बैट ने यह स्तर पिछले साल 24 जुलाई को छुआ था। सूत्रों के अनुसार, बैट की सबसे बड़ी शेयरधारक ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको इस सप्ताह कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है।

दिसंबर तिमाही तक के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार बैट के पास फिलहाल बैट में 29 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बैट ने फरवरी में कहा था कि बैट में उसकी अहम हिस्सेदारी है और यह कुछ पूंजी को जुटाने और उन्हें दूसरे जगहों पर लगाने का एक मौका हो सकता है। बैट बैट ने बताया, हम अपनी कुछ हिस्सेदारी को बेचने के लिए जरूरी नियामकीय प्रक्रियाओं को पूरा करने में लगे हैं और इस बारे में जल्द से जल्द से अपडेट करेंगे।

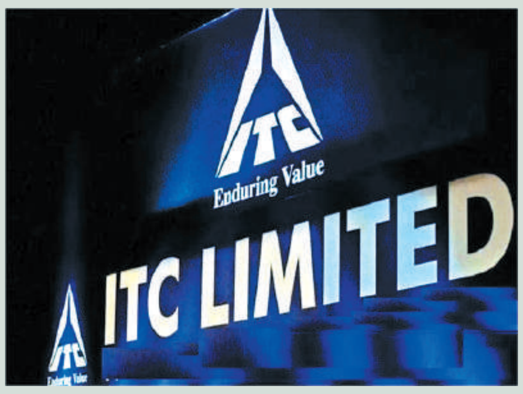

आईटीसी करीब 1900 के दशक की शुरुआत से ही किसी न किसी तरह से आईटीसी में शेयरधारक रहा है और इस दौरान इसने कई शेयर कैपिटल से जुड़े कई बदलावों और नियामकीय प्रतिबंधों को देखा है। ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने 29 फरवरी को एक रिपोर्ट में कहा था कि शॉर्ट-टर्म में कमोजर अर्निंग्स का अनुमान और बैट की ओर से हिस्सेदारी बेचने की खबर, आईटीसी के शेयरों में आई हालिया गिरावट के प्रमुख कारण है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान कंपनी की सिगरेट बिक्री में सुधार हो सकता है लेकिन कागजी कारोबार में निकट अवधि की आय में गिरावट हो सकती है। ब्रोकरेज ने कहा कि आय में संभावित रिकवरी के वित्त वर्ष 2025 की सितंबर तिमाही तक आने की संभावना है।

म्यूचुअल फंड में महिलाएं कर रही जमकर निवेश, 21 प्रतिशत बढ़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च, 2017 में 15 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर, 2023 में लगभग 21 प्रतिशत हो गई है। उद्योग संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इस साल फरवरी में म्यूचुअल फंड में प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति (एयूएम) 50 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई। बड़ी संख्या में निवेशक बचत करने और कमाई बढ़ाने के लिए म्यूचुअल फंड की ओर आ रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार, म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च, 2017 में 15 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर, 2023 में लगभग 21 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान वृद्धि की यह गति शहरी केंद्रों की तुलना में दूर-दराज के क्षेत्र में अधिक तेज थी। एम्फी के लिए क्रिसिल द्वारा तैयार और सेबी चेयरपर्सन

माधबी पुरी बुच द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 50 प्रतिशत महिला निवेशक 25-44 आयु वर्ग में आती हैं, जबकि व्यक्तिगत निवेशकों के कुल समूह में यह आंकड़ा लगभग 45 प्रतिशत है। म्यूचुअल फंड उद्योग में महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40 प्रतिशत गोवा में है। इसके बाद पूर्वोत्तर राज्य 30 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चंडीगढ़, महाराष्ट्र और नई दिल्ली में भी प्रबंधन के अधीन संपत्तियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक है। अधिकतर महिला एमएफ निवेशक नियमित योजना मार्ग के माध्यम से निवेश करना जारी रखते हैं और म्यूचुअल फंड वितरक के माध्यम से निवेश करने पर लंबे समय तक निवेशित रहते हैं। महिला म्यूचुअल फंड वितरकों की संख्या भी बढ़ी है। दिसंबर, 2023 तक यह संख्या 42,000 अंक के करीब थी और उनकी कुल प्रबंधन अधीन संपत्ति एक लाख करोड़ रुपए से अधिक थी।

व्यापारिक पहुंच और डॉलर की कमजोरी के बीच

बिटकॉइन 72,000 डॉलर तक बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रेडिंग पहुंच में वृद्धि और कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोमवार को बिटकॉइन 72,000 से अधिक की अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंच गया। दुनिया की अग्रणी क्रिप्टोकरेंसी को अतिरिक्त गति मिली, क्योंकि बाजार सहभागियों ने एक आगामी उद्योग घटना की उम्मीद की है। ये ऐतिहासिक रूप से बिटकॉइन के मूल्य को बढ़ाने के लिए जानी जाती है। इस उछाल ने पिछले सप्ताह के उल्लेखनीय प्रदर्शन को जारी रखा। इस दौरान बिटकॉइन नवंबर 2021 के अपने पिछले शिखर को पार कर डॉलर 68,991 तक पहुंच गया।

यूके के वित्तीय आचरण प्राधिकरण की घोषणा से बिटकॉइन की वृद्धि को और बढ़ावा मिला, जो क्रिप्टो-संबंधित प्रतिभूतियों को जारी करने की अनुमति देने के अमेरिकी नियामकों के फैसले को दर्शाता है। इस साल की शुरुआत में अमेरिकी अधिकारियों ने बिटकॉइन की हाजिर कीमत से जुड़े एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) को मंजूरी दे दी है। जिससे मुख्यधारा के निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो में डिजिटल संपत्ति को शामिल करना आसान हो गया। ÷यह उल्लेखनीय उछाल मुख्य रूप से क्रिप्टो क्षेत्र में बढ़ती संस्थागत रुचि के कारण है। बिटकॉइन ईटीएफ के आगमन ने परिदृश्य में क्रांति ला दी है, जिससे पारंपरिक निवेशकों को परिचित चैनलों के माध्यम से क्रिप्टो तक सहजता से पहुंचने में मदद मिली है। जैसे-जैसे डिजिटल परिसंपत्ति पारिस्थितिकी तंत्र परिपक्व हो रहा है, हम इन आभासी डिजिटल परिसंपत्तियों के प्रति निवेशकों की भावना में उल्लेखनीय बदलाव देख रहे हैं।

यह मील का पत्थर ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता में हमारे दृढ़ विश्वास को मजबूत करता है और बिटकॉइन मूल्य के भंडार और अनिश्चितता के खिलाफ बचाव के रूप में महत्वपूर्ण वादा करता है, ÷सुमित गुप्ता, सह-संस्थापक, कॉइनडीसीएक्स ने कहा। बिटकॉइन बाजार में निवेश करने वाले निवेशक वर्तमान में लाभदायक रिटर्न प्राप्त कर रहे हैं, यह देखते हुए कि मौजूदा कीमत सभी ऐतिहासिक स्तरों से अधिक है। फिर भी, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पिछला प्रदर्शन भविष्य के परिणामों का आश्वासन नहीं देता है, निवेश विचार-विमर्श में सतर्क जोखिम मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल देता है। संस्थानों में बिटकॉइन की बढ़ती स्वीकार्यता टोकन की कीमत में वृद्धि के लिए एक प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर रही है। निवेशक इसे परिसंपत्ति के लिए अधिक विश्वसनीयता की दिशा में एक कदम के रूप में देख रहे हैं। उदाहरण के लिए, आज लंदन स्टॉक एक्सचेंज ने घोषणा की कि वे इस वर्ष बिटकॉइन और एथेरियम एक्सचेंज-ट्रेडेड नोट्स (ईटीएन) स्वीकार करेंगे।

टीथर के डॉलर2 बिलियन डॉलर यूएसडीटी के नए निवेश के साथ बाजार में अधिक तरलता है, जो ईटीएफ के बीच बिटकॉइन की बढ़ती मांग का संकेत देता है। वज़ीरएक्स के वीपी राजगोपाल मेनन ने कहा, पारिस्थितिकी तंत्र खुद को नई ऊंचाइयों के लिए तैयार कर रहा है और बेहतर लाभ के लिए बाजार में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है।

कई विकसित देश रुपये में करना चाहते हैं व्यापार, भारत के साथ साझेदारी से घटेगी लेनदेन की लागत: गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। गोयल ने कहा, बांग्लादेश और श्रीलंका पहले से ही हमसे बात कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि हम इसे तुरंत शुरू करें। खाड़ी क्षेत्र के दूसरे देश भी रुपये में कारोबार पर विचार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि समय के साथ लोगों को इसका फायदा पता चलेगा। बांग्लादेश, श्रीलंका और खाड़ी देशों के साथ कई विकसित एवं विकासशील देश भारत से रुपये में कारोबार करना चाहते हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, भारत के साथ साझेदारी से कारोबार के लेनदेन की लागत घटेगी। यह कदम भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा में एक बड़ा बदलाव का संकेत है।

गोयल ने कहा, बांग्लादेश और श्रीलंका पहले से ही हमसे बात कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि हम इसे तुरंत शुरू करें। खाड़ी क्षेत्र के दूसरे देश भी रुपये में कारोबार पर विचार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि समय के साथ लोगों को इसका फायदा पता चलेगा। इस पहल में विकसित देश और सुदूर पूर्व के देश भी शामिल हो रहे हैं। सिंगापुर पहले ही कुछ हद तक इसमें शामिल है।

मंत्री ने कहा, हमने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से शुरुआत की। यूएई इसे स्वीकार करने वाले पहले देशों में से एक था। अब इसमें तेजी आ रही है। धीरे-धीरे अन्य देशों को यह एहसास हो रहा है कि सभी लेनदेन को तीसरी मुद्रा में बदलने से उसकी लागत में काफी वृद्धि होती है, जबकि घरेलू मुद्रा में व्यापार के कई फायदे हैं।

डुमस बीच का इतिहास

गुजरात के समुद्री तट पर स्थित दमस बीच जिसे लोग डुमस बीच भी कहते हैं। यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि सूर्य अस्त के बाद अजीब-अजीब तरह की चीखने-चिल्लाने की आवाजें आती हैं। ये बातें सुनकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाते हैं इसलिए शाम होते ही ये बीच पूरी तरह से खाली हो जाता है। डुमस के बारे में इसलिए ज्यादा लोग जानना चाहते हैं क्योंकि ये इंटरनेट पर भी चर्चा का विषय बना रहता है और हर कोई यहां से जुड़ा अपना अनुभव सोशल मीडिया पर शेयर करता है। मगर इस जगह से ये आवाजें क्यों आती हैं इसके बारे में बहुत से लोगों के पास अलग-अलग तथ्य है लेकिन असल में इसका क्या रहस्य है ये कोई नहीं जानता।

अरब सागर से सटा हुआ ये बीच सूरत से 21 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां की रेत सफेद नहीं बल्कि काली होती है और इस बीच का इतिहास किसी राजा या रानी की प्रेम कथा का नहीं है लेकिन यहां के लोगों का मानना है कि सदियों पहले यहां पर भूत-प्रेतों ने अपना गढ़ बनाया था और इसलिए यहां की रेत काली है। इससे जुड़ी एक बात शत प्रतिशत सही है कि इस बीच से लगा हुआ शव दाह ग्रह है जहां पर लाशें जलाई जाती हैं। लोगों का मानना है कि जिन लोगों को मोक्ष प्राप्त नहीं होता है या जिनकी असमय किसी एक्सिडेंट या खुदखुशी द्वारा मौत हो जाती है उनकी रूह इस बीच पर भटकती रहती है। रात होते ही सभी रूह अपने-अपने ठिकानों से निकलकर शोकाकुल करती हैं। इनमें कोई अच्छी तो कोई बुरी आत्मा होती है जो आपस में विलाप करते हुए चीखती-चिल्लाती हैं। अब इस बात में कितनी सच्चाई है ये तो कोई नहीं जानता लेकिन वहां चीखने-चिल्लाने की आवाज आना बिल्कुल सत्य बात है।

कुछ लोग इस बात से करते हैं इंकार

सोशल मीडिया पर अक्सर लोग इस जगह से जुड़ी बातों को शेयर करते हैं। इसी तरह सूरत के रहने वाले विश्वास पटेल ने भी अपना एक्सपीरिएंस शेयर करते हुए कुछ बातें बताईं। उन्होंने कहा, 'मैं दो बार ही डुमस बीच पर गया हूं। वहां अपने दोस्तों के साथ रात में समय भी बिताया। जब मैं वहां पहली बार गया तो रात के समय मैंने देखा समुद्र के किनारे कोई बैठकर रो रहा है और उसकी सिसकियों की आवाजें आईं। हमने पहले से इस जगह के बारे में सुना था तो हम वहां एक पल भी नहीं रुके और वापस आ गए। फिर 8 महीनों के बाद मैं वापस उस जगह पर रात में ही गया लेकिन तब मुझे नहीं लगा कि वहां कोई भूत-प्रेत का बसेरा है।' इसी तरह सूरत के ही रहने वाले फोटोग्राफर निशांत का कहना है कि वे 500 से ज्यादा बार इस जगह पर जा चुके हैं लेकिन उन्हें ऐसा कुछ महसूस नहीं हुआ। रात में वे अक्सर अपने दोस्तों के साथ यहां क्रिकेट खेलने जाते हैं और उन्हें कोई भूत-प्रेत नजर नहीं आता है।

डरावनी गतिविधियों से भरा हुआ है सूरत का डुमस बीच

भारत में न जाने कितनी ऐसी जगहें हैं जो रहस्यों से भरी हुई हैं। न जाने कितनी जगहों के बारे में जान पाना आज भी मुश्किल है और कितनी ही जगहें ऐसी हैं जहां जाकर रूह ही काँप जाती है। ऐसा ही एक डरावना समुद्र का किनारा है गुजरात का ड्यूमस बीच। जी हां गुजरात के सूरत शहर में एक ऐसा बीच है जहां आज भी माना जाता है कि यहां आत्माएं वास करती हैं। कई डरावनी गतिविधियों से भरा हुआ ये बीच वास्तव में लोगों को सोचने पर मजबूर कर देता है। वहां के स्थानीय लोगों का मानना है कि जो भी आज तक रात में इस बीच पर गया वो लौटकर वापस ही नहीं आया। हालांकि दिन में लोग इस बीच की खूबसूरती का मज़ा लेने आते हैं और यहां कैमल राइड जैसी कई गतिविधियों में भी इन्वॉल्व होते हैं, लेकिन रात के समय यहां जाने के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता है। आइए जानें क्या ख़ास है गुजरात के इस रहस्यमयी बीच ड्यूमस में।

कहां स्थित है

ड्यूमस बीचअरब सागर के किनारे एक ग्रामीण समुद्र तट है, जो भारतीय राज्य गुजरात में सूरत शहर के दक्षिण-पश्चिम में 21 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह दक्षिण गुजरात का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। ड्यूमस बीच, भारत में शीर्ष 35 प्रेतवाधित स्थानों में होने के लिए प्रसिद्ध है। ड्यूमस बीच का समुद्र तट अपनी काली रेत के लिए जाना जाता है और इसे प्रेतवाधित माना जाता है; क्योंकि लोककथाओं के अनुसार, इसे कभी हिन्दुओं के दाह स्थल के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

आती हैं डरावनी आवाज़ें

वहां के स्तानीय लोगों का कहना है की शाम को अंधेरा होने के बाद से ही बीच पर चीखने-चिल्लाने की आवाजें आने लगती हैं। चीख-पुकार की आवाज काफी दूर से भी सुनी जा सकती है। स्थानीय लोगों की मानें तो इस बीच पर रात में जो भी गया है, वह वापस नहीं लौटा। यह बीच प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है, लेकिन इस बीच को लेकर स्थानीय लोगों की बातें डरा देने वाली हैं। यहां की खूबसूरती आमतौर पर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है, लेकिन यहां की डरावनी आवाज़ें लोगों को भी वहां जाने से रोक देती हैं। लोग यह भी दावा करते हैं कि उन्होंने समुद्र तट से अजीब आवाजें सुनीं, जैसे कि लोग हंस रहे हैं और कोई रो रहा है।

दिन में दिखता है खूबसूरत

वैसे ये समुद्र तट दिन में बेहद खूबसूरत है और पर्यटक यहां की धूप का मज़ा लेते हैं। यूं कहा जा सकता है कि दिन के समय भगवान के घर जैसा दिखने वाला ये समुद्री किनारा सूरज ढलने के बाद शैतान का घर बन जाता है। सूरत के प्रीमियम पर्यटक आकर्षणों में से एक, इस समुद्र तट पर हर दिन यात्रियों और पर्यटकों की भीड़ उमड़ती है, लेकिन जैसे-जैसे अंधेरा होने लगता है, लोग अपनी बेहतरी के लिए यह जगह छोड़ देते हैं। वहां के लोग यह भी बताते हैं कि जिन्होंने रात भर रहकर समुद्र तट को चुनौती देने की कोशिश की, वे या तो कभी वापस नहीं आए या उनके अनुभव बहुत खराब रहे।

क्या है इस बीच का रहस्य

अरब सागर के किनारे स्थित ड्यूमस बीच गुजरात के सबसे प्रेतवाधित स्थानों में से एक माना जाता है। समुद्र तट

ड्यूमस बीच से कई पर्यटक और स्थानीय लोग लापता हो चुके हैं जिनका आज तक कोई पता नहीं चल पाया है। वास्तविकता ये है कि इस बीच के रहस्य (जानें भारत की रहस्यमयी जगहों के बारे में) का पता लगाने के लिए अभी भी रिसर्च जारी है,

दो चीजों के लिए प्रसिद्ध है, एक अपनी काली रेत के लिए और दूसरा भूतिया होने के लिए! ऐसा कहा जाता है कि ड्यूमस बीच को कभी हिंदू कब्रिस्तान के रूप में इस्तेमाल किया जाता था और इसलिए इसमें कई भूतिया आत्माएं रहती हैं जिन्होंने इस क्षेत्र को कभी नहीं छोड़ा। लोककथाएं बताती हैं कि काली रेत का अस्तित्व मृतकों को जलाने से उत्पन्न राख की मात्रा के कारण है जो समुद्र तट की सफेद रेत के साथ मिश्रित हो गई और छाया में अंधेरा हो गया।

क्या है वास्तविकता

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि समुद्र तट में रात के समय जाना एक भयानक अनुभव हो सकता है। निश्चय ही यहां का परिवेश सुंदर है, लेकिन भयावह रूप से यह जगह निराशाजनक है और वास्तव में आप उस जगह को घेरने वाली नकारात्मकता से बच नहीं सकते। कहा जाता है कि चांद दिखने के बाद इस क्षेत्र में कई अपसामान्य गतिविधियों को देखा और सुना जा सकता है। कई खबरों के अनुसार सूरत के प्रेतवाधित समुद्र तट

लेकिन अब तक कोई परिणाम न निकल सका है।

काले रंग की है रेत

इस बीच की सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि यहां की रेत का रंग काला है। इस बीच का इतिहास किसी को नहीं पता। लेकिन, स्थानीय लोगों का कहना है कि सदियों पहले यहां पर आत्माओं ने अपना बसेरा कर लिया और इसी के चलते यहां की रेत काली हो गई। इसी बीच के पास लाशें भी जलाई जाती हैं। लोगों का मनना है कि जिन लोगों को मोक्ष प्राप्त नहीं होता है, या जिनकी अकाल मृत्यु हो जाती है, उनकी रूह इस बीच पर बसेरा कर लेती है।

इस बीच की सच्चाई भले ही कुछ और हो लेकिन मेरी सहेली ने भी जो अनुभव किया उसके अनुसार इस बीच में रात के समय घूमना किसी चुनौती से कम नहीं है। हालांकि कुछ ऐसे भी लोग हैं जो इस बात का दावा भी करते हैं कि इस बीच से जुड़ी सारी बातें काल्पनिक हैं और वहां रहते हुए भी उन्होंने ऐसी कोई आवाज नहीं सुनी जो डरा देने वाली हो। सच्चाई कुछ भी हो लेकिन इसका रहस्य अभी तक सुलझा पाना मुश्किल ही है।

दमस बीच की सच्चाई

ऐसा माना जाता है कि इस बीच पर पहले नवाबों का बसेरा था, लेकिन आधुनिक समय में यह बीच मछुवारों का बसेरा है। हालांकि, मछुवारे भी दिन के समय में भी रहते हैं। शाम ढलते ही वे अपने घरों पर लौट जाते हैं, क्योंकि शाम ढलते ही प्रेतों का तांडव शुरू हो जाता है। रोने और सिसकने की आवाजें आने लगती हैं। इस बारे में स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी-कभी ऐसा एहसास होता है कि प्रेत लोग मिलकर जश्न मनाते रहते हैं। इस बीच पर शाम के बाद रुकना बेहद खतरनाक साबित होता है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, लेकिन आप जब भी दमस बीच जाएं, तो शाम ढलने से पहले जरूर वापस लौट आएं।

प्रेत आत्माओं के होने का किया जाता है दावा

आज के रहस्य की इस श्रृंखला में हम बात करने वाले हैं गुजरात के एक ऐसे बीच के बारे में, जिसका नाम भारत की मोस्ट हॉन्टेड जगहों में शुमार है। इस जगह का नाम डुमास बीच है। स्थानीय लोगों की मानें तो इस स्थान पर प्रेत आत्माओं के होने का दावा किया जाता है। ये रहस्यमय जगह गुजरात के सूरत शहर के समुद्री तट पर स्थित है। यहां पर अक्सर कई पैरानॉर्मल घटनाएं होती हैं। यही एक बड़ी वजह है, जिसके चलते इस बीच की डरावनी कहानी देश दुनिया में मशहूर है। अक्सर इस जगह के विषय में सोशल मीडिया पर खूब चर्चाएं होती हैं। इस भूतिया जगह को लेकर लोगों के बीच कई तरह की मान्यताएं और किस्से कहानियां प्रचलित हैं। गुजरात का ये बीच दिखने में काफी सुंदर है, पर सुंदरता के पीछे की इसकी रहस्यमयी कहानी कई लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

गौरतलब बात है कि दिन के समय इस बीच पर सब कुछ सामान्य रहता है। कई लोग इस जगह पर आकर लुत्फ उठाते हैं। वहीं जैसे ही रात का साया गहरा होता है। सब कुछ मानो थम सा जाता है। सुंदर सी दिखने वाली ये जगह एक वीराने में बदल जाती है। इस दौरान यहां पर कोई भी जाने की हिम्मत नहीं करता है। रात के समय बीच के आस-पास भी कोई नहीं दिखता।

इस रहस्यमय डुमास बीच पर अब तक कई पैरानॉर्मल घटनाओं के मामले सामने आ चुके हैं। बीच पर घूमने के लिए आए कई लोगों ने इस बात का जिक्र किया है कि उन्होंने इस जगह पर अजीबो-गरीब और रहस्यमय आवाजों को सुना। कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो इस बीच पर रात के समय घूमने गए टूरिस्ट आज तक वापिस नहीं आ सके हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार काफी पहले इस जगह का इस्तेमाल एक श्मशान घाट के तौर पर किया जाता था। लोगों की मानें तो यहां पर आज भी कई प्रेत आत्माएं भटकती हैं। इसी वजह से इस बीच की रेत का रंग काला है। रात के समय इस स्थान पर कुत्तों का स्वभाव बदल जाता है। वे कई तरह की अजीबो-गरीब आवाजें निकालने लगते हैं।

इस धरती पर कई ऐसी जगह हैं, जो अपने रहस्य के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। इनमें एक स्थान तुलसीश्याम है। यह जगह गुजरात राज्य में स्थित है। तुलसीश्याम गुरुत्वाकर्षण विरोध के लिए जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तुलसीश्याम पहाड़ी पर गुरुत्वाकर्षण काम नहीं करता है। इस वजह से गाड़ी बंद होने पर वह रुकी नहीं रहती है, बल्कि ऊपर की ओर चढ़ने लगती है। विज्ञान के लिए यह बड़ी पहेली है, जो आज तक नहीं सुलझी है। दुनिया में कई ऐसी जगह हैं। जहां गाड़ी बंद रहने पर गाड़ी गुरुत्वाकर्षण के विपरीत चलने लगती है।

गुरुत्वाकर्षण विरोध के लिए जानी जाती है गुजरात की तुलसीश्याम पहाड़ी

सोचिए कि आपने अपनी कार किसी पहाड़ी रास्ते पर न्यूट्रल में कर के खड़ी कर दी है। इसके बाद कार किस दिशा में अपने आप चलने लगेगी? न्यूट्रल में करने के बाद जब गाड़ी का गियर हटा हुआ तो उसका मतलब कि वो अपने आप नीचे की दिशा में ही बढ़ेगी। इसके पीछे का कारण ग्रैविटी है। जैसा की हम जानते हैं कि हर चीज गुरुत्वाकर्षण बल के कारण नीचे की और जाती है। मगर गुजरात के जिस जगह की हम बात कर रहे हैं वहां कारें नीचे नहीं ऊपर की ओर जाती हैं। गुजरात के तुलसीश्याम गांव में बड़ी ही अजीबगोरीब जगह हैं। एक ऐसा टीला है जहां लोगों का मानना है कि ग्रैविटी काम नहीं करती है। लोग यहां तरह-तरह के एक्सपेरिमेंट करते हैं जिसके जरिए उन्हें पता लगता है कि कुछ भी पहाड़ों पर रख दो तो वो नीचे नहीं ऊपर की दिशा में जाएंगे। जूनागढ़ में गिर के जंगल के बीच स्थित तुलसीश्याम में भगवान कृष्ण का एक 3 हजार साल पुराना कृष्ण मंदिर भी है जहां साथ ही एक गर्म चश्मा भी मौजूद है। आस्था और चमत्कार से जुड़ी ऐसी चीजों के बीच इस तरह के टीले का होना चौंकाने वाला है। पर क्या वास्तव में ये कोई चमत्कार है या इसके पीछे विज्ञान है?

लोगों को लगता है कि इन जगह भूतों का साया है या फिर भगवान कृष्ण की कोई महिमा है। मगर सच ये है कि इस रास्ते में कुछ भी अजीबगरीब नहीं है। ये सिर्फ आंखों का धोखा है। जिस टीले की बात हम कर रहे हैं उसके दोनों ओर की जमीन उभरी हुई है। साथ ही सड़क के क्षितिज को दूर से देखकने पर पता चलता है कि जैसे सामने का रास्ता ऊपर की ओर चढ़ रहा है मगर ऐसा नहीं है, रास्ते में आगे की ओर ढलान है और इसी लिये, कार पीछे की ओर ना खिसकर आगे की ओर खिसकती है। जानकारों के अनुसार ऐसा सिर्फ गुजरात में ही नहीं, कई जगहों पर होता है जहां ढलान दार रास्ता भी अपनी अगल-बगल की जमीन के कारण उठा हुआ लगने लगता है।

तुलसीश्याम कैसे नाम पड़ा

पौराणिक कथा के अनुसार, द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने इस स्थान पर तूल नामक आततायी दानव का वध किया था। इसलिए इस स्थान का नाम तुलसीश्याम पड़ा है। तुलसीश्याम में 3 हजार साल पुराना भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर है, जिसका निर्माण काले पत्थर से हुआ है।

तुलसीश्याम कहां है

यह गुजरात राज्य के अमरेली और गिर सोमनाथ जिले की सीमा पर स्थित है। जबकि यह पहाड़ी गिर राष्ट्रीय उद्यान में है। इस जगह पर गर्म पानी का एक झरना भी है, जो शारीरिक तकलीफों को ठीक करने वाली शक्तियों के लिए जाना जाता है।

क्यों है ग्रेविटी जीरो

इस बारे में लोगों का कहना है कि तुलसीश्याम का रास्ता स्वर्ग की तरफ जाता है, क्योंकि ऐसा लगता है कि हमें ऊपर की तरफ खींचा जा रहा है। लोग काले साए और किसी प्रकार के दानव शक्ति को इसका श्रेय नहीं देते हैं। हालांकि, इस घटना के पीछे की प्रामणिकता का पता अभी तक नहीं चला है कि ऐसा क्यों होता है।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड को कुछ युवा तेज गेंदबाज ढूंढने होंगे : बॉयकॉट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर ज्योफ्री बॉयकॉट ने कहा कि इंग्लैंड को जेम्स एंडरसन से आगे बढ़ने की जरूरत है, क्योंकि वे हमेशा भावनाओं के आधार पर एंडरसन को नहीं चुन सकते हैं। साथ ही, उन्होंने टीम से 2025-26 में ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज यात्रा के लिए युवा और तेज गेंदबाजों को खोजने का आग्रह किया है।

41 वर्षीय जेम्स एंडरसन ने धर्मशाला में भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के तीसरे दिन कुलदीप यादव को आउट करके 700 टेस्ट विकेट की उपलब्धि हासिल की और ऐसा करने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए। वह अब टेस्ट में विकेट लेने वालों की सर्वकालिक सूची में मुथैया मुरलीधरन और शेन वॉर्न के बाद तीसरे स्थान पर हैं। लेकिन जब तक इंग्लैंड एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी, तब तक एंडरसन 43 वर्ष के हो जाएंगे। इसलिए इंग्लिश टीम सिर्फ एंडरसन से उम्मीद नहीं लगा सकती। इंग्लैंड को नए और युवा तेज गेंदबाज तलाशने होंगे, जिन्हें जेम्स एंडरसन से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है।

मार्क वुड और ओली रॉबिन्सन जैसे अन्य तेज गेंदबाज भारत के टेस्ट दौरे पर गंभीर प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। बॉयकॉट ने अपने कॉलम में लिखा, अगली एशेज तक जिमी 43 साल के हो जाएंगे और उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इंग्लैंड को कुछ युवा सीमर ढूंढने होंगे जो 20 ओवर फेंक और अगले दिन और अधिक के लिए तैयार रहें। ऑस्ट्रेलिया के लिए टीम चुनने से पहले उन्हें मौके दिए जाने की जरूरत है।

नार्डी ने विश्व नंबर-1 जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया

इंडियन वेल्स, एजेंसी। 20 वर्षीय इटालियन लुका नार्डी , जिन्होंने परीबा ओपन के मुख्य ड्रॉ में लकी लूज़र खिलाड़ी के रूप में प्रवेश किया। लेकिन, इय युवा खिलाड़ी ने विश्व नंबर 1 नोवाक जोकोविच को तीसरे राउंड में दो घंटे 17 मिनट में 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर सबको चौंका दिया।

पिछले हफ्ते नार्डी क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में डेविड गोफिन से हार गए, लेकिन उन्हें लकी लूज़र के रूप में ड्रॉ में प्रवेश करने के लिए बुलाया गया जब अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एटचेवेरी ने ड्रॉ से नाम वापस ले लिया।

वर्ल्ड नंबर 123 रैंक वाला इटालियन मास्टर्स 1000 या ग्रैंड स्लैम इवेंट में जोकोविच पर जीत हासिल करने वाला इतिहास का सबसे कम रैंक वाला खिलाड़ी बन गया है। वह मास्टर्स 1000 में मौजूदा विश्व नंबर 1 को हराने वाले चौथे सबसे कम रैंक वाले खिलाड़ी भी हैं। नार्डी ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं है। मैं क्या कह सकता हूं? कल रात मैं इसके बारे में सपना देख रहा था, मैं कोचों से इसके बारे में बात कर रहा था। अब यह सच है! इटालियन, जो अपने प्रदर्शन के दम पर अगले सप्ताह शीर्ष 100 में डेब्यू करने के लिए तैयार है, राउंड 16 में अमेरिकी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे। सिनसिनाटी और पेरिस में खिताब जीतने के बाद जोकोविच का एटीपी मास्टर्स 1000 में अपनी 11 मैचों की जीत का सिलसिला टूट गया । 2018 में इंडियन वेल्स में नंबर 109 टैरो डैनियल से हार के बाद उन्हें एटीपी रैंकिंग के शीर्ष 50 के बाहर किसी खिलाड़ी से पहली हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल 2024

पंत फिट घोषित शमी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बड़ी खुशखबरी दी है। बोर्ड ने स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को आईपीएल 2024 के जरिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने को लेकर मंजूरी दे दी है। ऋषभ पंत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें आगामी आईपीएल के लिए मंजूरी दे दी है। बीसीसीआई ने सोमवार को मेडिकल और फिटनेस अपडेट जारी किया।

बीसीसीआई ने अपने बयान में बताया, 30 दिसंबर, 2022 को रूड़की, उत्तराखंड के पास एक जानलेवा सड़क दुर्घटना के बाद 14 महीने के पुनर्वास से गुजरने के उपरांत ऋषभ पंत को अब आगामी टाटा आईपीएल 2024 के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में फिट घोषित किया गया है। दिसंबर 2022 में बांग्लादेश में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला समाप्त होने के बाद से आईपीएल 2024 में पंत की वापसी होगी। बीसीसीआई ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और प्रसिद्ध कृष्णा पर मेडिकल अपडेट भी दिया, जिसमें कहा गया कि तेज गेंदबाजों की जोड़ी आईपीएल के 2024 संस्करण में नहीं खेल पाएगी।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

सरफराज के भाई मुशीर खान ने जड़ा धांसू शतक, रणजी ट्रॉफी फाइनल में खेली ऐतिहासिक पारी

मुंबई, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2024 का फाइनल मुकाबला मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में मुंबई के सरफराज खान के भाई मुशीर खान ने कमाल कर दिया। बड़े भाई तो कमाल कर ही रहे हैं। वहीं अब छोटे भाई मुशीर खान ने भी अपने नाम का डंका बजाया है। मुशीर खान ने रणजी ट्रॉफी 2024 के फाइनल मुकाबले में विदर्भ के खिलाफ कमाल का शतक ठोका है।

19 साल के मुशीर खान ने रणजी ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले की दूसरी पारी में गजब की बल्लेबाजी की है। इतना ही नहीं बल्कि मुशीर खान अब भी पिच पर डटे हैं। खान ने 272 गेंदों का सामना कर 8 चौकों की मदद से 117 रन बना लिए हैं। पिछले कुछ समय से मुशीर खान का बल्ला जमकर बोल रहा है। उन्होंने हाल ही में हुए अंडर 19 वर्ल्ड कप 2024 में गजब का प्रदर्शन किया था।

इतना ही नहीं बल्कि मुशीर खान अब भी पिच पर डटे हैं। खान ने 272 गेंदों का सामना कर 8 चौकों की मदद से 117 रन बना लिए हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप टीम से कट सकता है विराट कोहली का पत्ता

नईदिल्ली, एजेंसी। रिपोर्ट्स की मानें तो विराट कोहली को स्क्वॉड से बाहर रखा जा सकता है। इसके पीछे का कारण बताया जा रहा है कि वेस्टइंडीज और यूएसए में विकेट धीमे होंगे। ऐसे में उनकी बैटिंग स्टाइल से भारत को फायदा नहीं होगा। हालांकि, एक लाइफलाइन विराट कोहली के पास आईपीएल 2024 है, जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करके वे अपनी जगह बचा सकते हैं। रिपोर्ट की मानें तो टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए विराट कोहली को आईपीएल 2024 में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। चयनकर्ता कोहली को टी20 विश्व कप के लिए चुनने के इच्छुक नहीं हैं, क्योंकि प्रबंधन का मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी सबसे छोटे प्रारूप में टीम की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहे हैं। कोहली ने टी20 विश्व कप 2022 के बाद से कोई टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। वे रोहित शर्मा के साथ अफगानिस्तान टी20 सीरीज में खेले थे, लेकिन ज्यादा सफल नहीं हो पाए थे। दो ही मैच उन्होंने खेले थे। वहीं, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टी20 विश्व कप के लिए रोहित शर्मा को कप्तान बनाए जाने की पुष्टि की। हालांकि, जब उनसे विराट कोहली के टी20आई भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई ने कोहली के चयन की गुत्थी मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर पर छोड़ दी है। यह बहुत नाजुक मामला है। ऐसे में लोग इसमें शामिल होने के इच्छुक नहीं हैं। अगरकर ने कोहली से टी20आई क्रिकेट के उनके दृष्टिकोण में बदलाव के लिए कहा था, जिसे कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में लागू करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए मिचेल मार्श होंगे कप्तान, कोच का मिला समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी पैट कमिंस नहीं बल्कि मिचेल मार्श को सौंपी जा सकती है। इस बात का समर्थन खुद टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने किया है। टीम के कोच ने मार्श के नाम को आगे रखा है।

ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि जल्द ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया कप्तान के तौर पर मार्श के नाम का ऐलान कर सकता है। साल 2022 में टी20 वर्ल्ड कप के बाद फिंच ने संन्यास ले लिया था। इसके बाद मार्श ने अनौपचारिक आधार पर टी20 में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। एंड्रयू मैकडोनाल्ड, जॉर्ज बेली की अध्यक्षता वाले सेलेक्शन पैनल का हिस्सा हैं। वो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड को सिफारिश करेंगे कि 32 वर्षीय मार्श को औपचारिक आधार पर बागडोर सौंपी जाए।

आरोन फिंच की सेवानिवृत्ति के बाद फुलटाइम कप्तान की भूमिका तय करना अभी भी बाकी है। एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, जिस तरह से वह उस टी20 टीम के साथ काम करने में सक्षम हैं, उससे हम खुश और सहज हैं। हमें लगता है कि वह टी20 विश्व कप के लिए बेस्ट कप्तान हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने मार्श की कप्तानी में वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंज के खिलाफ टी20 सीरीज भी जीती थी। एक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में मार्श की वापसी की राह 20 ओवर के खेल में शुरू हुई जब उन्होंने अपनी टीम को 2021 विश्व कप ट्रॉफी दिलाई।

वह दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 50 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 173 रनों के विजय लक्ष्य को एक ओवर से अधिक शेष रहते हुए हासिल कर लिया। 54 टी20 में मार्श ने 22.76 की औसत से 17 विकेट के अलावा नौ अर्धशतकों के साथ 1,432 रन बनाए हैं।

आईपीएल 2024 से पहले एमआई को झटका!

सूर्या पर लग सकता है ग्रहण, फिटनेस को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के शीर्ष टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टखने की सर्जरी के बाद बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के दौर से गुजर रहे हैं।

लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन में मुंबई इंडियंस के पहले दो मैचों के लिए उनकी उपलब्धता संदिग्ध है। मुंबई इंडियंस की टीम अपने अभियान की शुरुआत 24 मार्च को पिछले साल के उपविजेता गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगी। आईसीसी रैंकिंग का यह शीर्ष टी20 बल्लेबाज खेल में वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, 'सूर्यकुमार का रिहैबिलिटेशन सही रास्ते पर है और वह निश्चित रूप से आईपीएल के आगामी सत्र में वापसी करेंगे। यह हालांकि अभी भी स्पष्ट नहीं है कि एनसीए की 'स्पोर्ट्स साइंस और मेडिकल टीम' गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद (27 मार्च) के खिलाफ पहले दो मैचों में खेलने के लिए मंजूरी देगी या नहीं। सूर्यकुमार के इंस्टाग्राम हैंडल को देखे तो उन्होंने स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग से जुड़ी ट्रेनिंग करते हुए कुछ वीडियो साझा किये हैं। उन्होंने अभी तक बल्लेबाजी अभ्यास का कोई वीडियो साझा नहीं किया है।

इस वजह से खुश नहीं हैं पूर्व कप्तान आजम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम इस समय क्रूरमें खेल रहे हैं। पाकिस्तान सुपर लीग में उनकी कप्तानी वाली पेशावर जाल्मी की टीम ने कराची किंग्स को 2 रनों से हरा दिया। उनकी टीम पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। बाबर ने मौजूदा पीएसएल में अच्छा प्रदर्शन किया है। कराची किंग्स के खिलाफ मैच के बाद उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम में अपने बैटिंग ऑर्डर के बारे में बात की है।

नंबर तीन पर उतरे थे बाबर आजम

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद जनवरी में पाकिस्तानी टीम ने टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम का दौरा किया था। तब टीम में ओपनिंग के लिए सैम अयूब को चुना गया और वह मोहम्मद रिजवान के साथ ओपनिंग करने उतरे। वहीं बाबर आजम को नंबर तीन पर भेजा गया। सैम अयूब को ओपनिंग के लिए भेजना पाकिस्तानी टीम का फैसला सही साबित नहीं हुआ क्योंकि रिजवान-अयूब की जोड़ी एक भी फिफ्टी प्लस पार्टनरशिप नहीं कर सकी।

बैटिंग बदलने पर कही ये बात

कराची किंग्स के मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए बाबर आजम ने कहा कि जब भी मैं टी-20 में पारी की शुरुआत करता हूं तो मुझे कोई दबाव महसूस नहीं होता या मैं कोई दबाव नहीं लेता। टीम मुझसे नंबर तीन पर उतरने की मांग कर रही थी और मैंने ऐसा किया। अगर मुझसे पूछा जाए तो मैं इस कदम से संतुष्ट नहीं था लेकिन मैंने यह सब पाकिस्तान के लिए किया। बैटिंग ऑर्डर में बदलाव के बाद भी बाबर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में तीन अर्धशतक (57, 66 और 58 रन) लगाए थे।

बाबर ने किया दमदार प्रदर्शन

पाकिस्तान सुपर लीग के मौजूदा सीजन में बाबर आजम बहुत ही शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने पेशावर जाल्मी के लिए खूब रन बनाए हैं। उन्होंने अभी तक 9 मैचों में 498 रन बनाए हैं और वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। बाबर की कप्तानी में पेशावर की टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है। टीम ने 10 में से 6 मैच जीते।

पटना शुक्ला में अन्याय के खिलाफ लड़ती नजर आएंगी रवीना टंडन

सुपरस्टार सलमान खान ने रवीना टंडन की अपकमिंग फिल्म पटना शुक्ला का ट्रेलर जारी किया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस अन्याय के खिलाफ एक छात्रा के लिए केस लड़ती नजर आएंगी। पटना शुक्ला एक आम महिला तन्वी शुक्ला (रवीना) की कहानी है जो उसी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। रवीना फिल्म में एक छात्रा का केस लड़ेंगी, जिसे भरोसा है कि उसने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया, मगर उसे उसके हिसाब से नंबर नहीं मिले।

एक्स पर सलमान खान ने एक मिनट और 54 सेकंड का वीडियो शेयर किया है जिसकी शुरूआत तन्वी के रूप में रवीना के मेहमानों को चाय और नाश्ता परोसने से शुरू होती है। वह कहती है कि हम सिर्फ हाउसवाइफ नहीं हैं, जिस पर एक आदमी जवाब देता है, तन्वी भाभी वकील भी हैं। तन्वी के पति का किरदार निभाने वाले मानव विज कहते हैं, ये एफिडेविट बहुत अच्छा बनाती हैं। वीडियो में एक छात्रा को दिखाया गया है, जो परीक्षा रोल नंबर घोटाले से संबंधित अपना केस लड़ने के लिए तन्वी के पास आती है। स्निपेट में जतिन गोस्वामी को एक राजनेता के रूप में दिखाया गया है जो तन्वी को रिंकी कुमारी (अनुष्का कौशिक) का मामला छोड़ने की धमकी दे रहा है। तन्वी जवाब देती है कि क्या कर लेंगे आप, मरवा देंगे? जतिन कहते हैं कि हम आज कल के नेता हैं, अवैध काम वैध तरीके से करते हैं। इसमें आगे दिखाया गया है कि कैसे इस केस की वजह से तन्वी के पति की नौकरी चली जाती है।

वीडियो तन्वी के यह कहने के साथ समाप्त होता है कि हम नहीं झुकेंगे। वीडियो शेयर करते हुए सलमान ने लिखा कि रोल-नंबर स्कैम है केस जिनका अगला, स्वागत करो रवीना का पटना शुक्ला में। रवीना ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि अन्याय से दबी आवाज के लिए, न्याय का आगाज करने आ रही है तन्वी।

यह फिल्म रोल नंबरों के शिक्षा घोटाले पर प्रकाश डालती है जो भारत में हजारों ईमानदार छात्रों के जीवन को प्रभावित करता है। यह दो महिलाओं की दिल छू लेने वाली कहानी है जो दबावों और मातृत्व की जिम्मेदारियों से निपटते हुए न्याय के लिए लड़ने के लिए आगे बढ़ती हैं। फिल्म में चंदन रॉय सान्याल और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक भी हैं। अरबाज खान प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित और विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित, कोर्ट रूम ड्रामा 29 मार्च से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएगी।

स्वातंत्र्य वीर सावरकर में अंकिता को कास्ट नहीं करना चाहते थे रणदीप

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 17 से अंकिता लोखंडे ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं। अंकिता बिग बॉस 17 की विजेता तो नहीं बन पाई, लेकिन अब उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। इन ऑफर्स में टेलीविजन प्रोजेक्ट्स के अलावा फिल्में भी शामिल हैं। अंकिता रणदीप हुड्डा की फिल्म स्वातंत्र्यवीर सावरकर में नजर आने वाली हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि रणदीप नहीं चाहते थे कि अंकिता इस फिल्म का हिस्सा बने।

आइए जानते हैं क्यों। अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके सह-कलाकार रणदीप हुड्डा शुरू में नहीं चाहते थे कि वह उनकी आगामी फिल्म स्वातंत्र्यवीर सावरकर का हिस्सा बनें क्योंकि उन्हें लगता था कि वह पत्नी यमुनाबाई सावरकर की भूमिका निभाने के लिए बहुत यंग हैं। फिल्म में विनायक दामोदर सावरकर बायोपिक में रणदीप भारतीय राजनेता, कार्यकर्ता और लेखक विनायक दामोदर सावरकर की भूमिका में नजर आएंगे।

इसके साथ ही अभिनेत्री ने कहा, रणदीप हुड्डा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं आपको फिल्म में चाहता हूं, जिस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया, क्यों?। इस पर उन्होंने ऐसा कहा, आप इस किरदार यमुनाबाई सावरकर के लिए बहुत सुंदर हैं।

नेपोटिज्म को लेकर अरबाज ने दिया बड़ा बयान

अभिनेता अरबाज खान बॉलीवुड में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। अरबाज पटकथा लेखक सलीम खान के बेटे और सुपर स्टार सलमान खान के भाई हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे नेपोटिज्म पर खुलकर अपनी राय जाहिर करते दिखे। अरबाज खान बॉलीवुड के एक बड़े खानदान से ताल्लुक रखते हैं। उनसे जब ये पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि स्टार किड्स को नेपोटिज्म से फायदा मिलता है। इस सवाल के जवाब में अरबाज कहते हैं, देखिए अगर आपके पिता किसी प्रोफेशन में हैं तो आपके लिए उस क्षेत्र का दरवाजा जरूर खुल जाता है, लेकिन आपको वहां काम अपने टैलेंट से मिलेगा न कि पिता की वजह से। यह बात सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि हर जगह लागू होती है। अरबाज खान अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, हां मैं इस बात को जरूर मानता हूं कि अगर आपके परिवार का कोई सदस्य किसी पेशे में है, तो आपके लिए वहां जाकर काम ढूंढना आसान हो जाता है, लेकिन अगर आप वहां काम नहीं कर पाएंगे तो आपको असफलता ही मिलेगी।

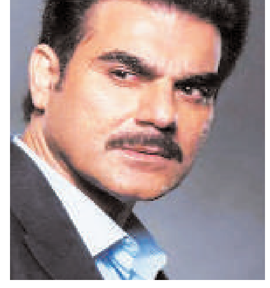

फिर थम सकती है दिल्ली, अब एसकेएम ने 14 मार्च को रामलीला मैदान में बुलाई महापंचायत

नईदिल्ली, एजेंसी।
संयुक्त किसान मोर्चा एक बार फिर दिल्ली को थामने की तैयारी कर रही है। एसकेएम ने 14 मार्च (गुरुवार) को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत बुलाई है। इसमें देशभर के किसान, खासकर उत्तर भारत के किसान बड़ी संख्या में शामिल होंगे। हालांकि, अभी तक किसान संगठन को दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम से महापंचायत करने की हरी झंडी नहीं मिली है। संयुक्त किसान मोर्चा के चार सदस्यों की समिति अभी भी दिल्ली पुलिस और एमसीडी के अधिकारियों से महापंचायत करने की इजाजत लेने की कोशिशों में जुटी है। डीसीपी हर्षवर्द्धन और एसकेएम नेताओं के साथ कई दौर की बैठकें हुई हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य मिंदर सिंह पटियाला ने बताया कि 8 मार्च को दिल्ली पुलिस उप आयुक्त के साथ बैठक हुई थी, जिसमें उन्होंने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा, हम दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों से भी मिले, जिन्होंने हमें बताया कि अगर दिल्ली पुलिस अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे देती है तो एमसीडी भी महापंचायत के लिए आसानी से एनओसी दे देगी। एसकेएम किसानों का वही संगठन है, जिसने वर्ष

2020-21 के किसान आंदोलन का नेतृत्व किया था। एसकेएम ने पहले न्यूनतम समर्थन मूल्य पर एक कानून सहित किसानों की मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए किसान महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की थी। बैठक के बाद दूसरे एसकेएम नेता दर्शन पाल ने कहा कि पंजाब के किसान बड़ी संख्या में महापंचायत में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि महापंचायत शांतिपूर्ण होगी। पाल ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियों के बजाय बसों और ट्रेनों से दिल्ली जाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, चुनाव होने वाले हों या न होने वाले हों, इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हमारी मांगें पूरी होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य राजनीतिक दलों पर चुनावी घोषणापत्र में अपनी मांगों को शामिल करने के लिए दबाव बनाना है। संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐसे वक्त में दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत का आह्वान किया है, जब लोकसभा चुनाव होने वाले हैं, दूसरी तरफ किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के बैनर तले सैकड़ों किसान पंजाब के खनौरी और शंभू बॉर्डर पर पिछले 28 दिनों से धरने पर बैठे हैं। इन किसानों को अब तक ट्रैक्टर-ट्रॉली से दिल्ली मार्च की इजाजत नहीं मिल सकी है।किसानों के दोनों धड़ों की मांग एक जैसी ही है।

150 बराती, 1000 पुलिसकर्मी, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, कमांडो की तैनाती...

नई दिल्ली, एजेंसी।
द्वारका सेक्टर-तीन स्थित संतोष गार्डन बैंक्वेट हाल में आज कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी व अनुराधा चौधरी उर्फ मैडम मिंज की शादी होगी । इसके लिए सुरक्षा के बेहद चौक चौबंद बंदोबस्त किए गए हैं। समारोह स्थल से लेकर जठेड़ी व उसके स्वजन के आने जाने वाले रूटों पर भी पुलिस का करा पहरा रहेगा। शादी समारोह के दौरान कोई हमला न कर दे इसके लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल, स्वाट दस्ता, क्राइम ब्रांच, स्थानीय पुलिस, तीसरी बटालियन, हरियाणा पुलिस की सीआइए, राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) के अधिकारियों की संदीप की शादी पर पैनी नजर है। सुबह छह बजे ही बैंक्वेट हाल के अंदर-बाहर व आसपास की सड़कों व गलियों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई जो जठेड़ी व समारोह में आने वाले उसके स्वजन को वहां से वापस अपने घर पहुंचने तक सुरक्षा में तैनात रहेंगे। बैंक्वेट हाल के प्रवेश द्वार पर डोरफ्रेम मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ड्रोन की भी व्यवस्था की गई है। सशस्त्र कमांडो की भी तैनाती की गई है। जठेड़ी करीब 10.30 तक शादी समारोह स्थल पर आएगा। स्पेशल सेल के एडिशनल पुलिस कमिश्नर प्रमोद सिंह कुशवाहा का कहना है कि गैंगवार की घटना व संदीप के हिरासत से भाग जाने आदि सभी संभावनाओं को देखते हुए रणनीतिक बनाई गई है। समारोह में सीमित संख्या में लोगों के शामिल होने को कहा गया है। उनके नाम की सूची आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र पुलिस को मुहैया करा दी गई है। अनुराधा ने हरियाणा व दिल्ली के कुछ पत्रकारों को आमंत्रित किया है। जठेड़ी को जो व्यापारी नियमित रूप से रंगदारी देते रहे हैं उन्हें भी आमंत्रित किया गया है। ऐसे लोगों के सामने एक समस्या खड़ी हो गई है कि वे जाएं तो कैसे जाएं। जाने पर वे पुलिस के रडार में आ सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवती की हिम्मत के आगे पस्त पड़ा बदमाश, लोगों की मदद से दो झपटमारों को पकड़ा

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। एक युवती ने राहगीरों की मदद से दो झपटमार को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मुखर्जी नगर थाना क्षेत्र में छह मार्च को अपने कार्यालय से पीजी जा रही एक युवती से बाइक सवार झपटमार मोबाइल छीनने की कोशिश करने लगा, इस दौरान युवती ने शोर मचाते हुए, बदमाशों का विरोध किया। तभी दोनों बदमाश हड़बड़ाहट में बाइक से नीचे गिर गए। तभी आसपास मौजूद लोगों की मदद से युवती ने इन्हें पकड़ लिया। लोगों ने जमकर बदमाशों की पिटाई कर दी। पास में ही गश्त कर रही पुलिस ने दोनों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर पकड़ लिया। उत्तरी-पश्चिमी जिला के पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीते छह मार्च को पीड़िता चांदनी ने पुलिस को बताया कि वह अपने कार्यालय से पैदल ही जीटीबी नगर स्थित पीजी जा रही थीं। तभी जीटीबी नगर के पास पीछे से आए दो बाइक सवार बदमाशों ने युवती से मोबाइल फोन छीनने की कोशिश करने लगा। पीड़िता ने इसका विरोध किया, इस दौरान बाइक सवार नीचे गिर गए। तभी पीड़िता मदद के लिए चिल्लाई। आसपास मौजूद लोगों ने आरोपितों को पकड़ लिया। लोगों ने आरोपितों को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान पास में ही गश्त कर रहे पुलिस टीम ने आरोपितों को पकड़ लिया। इसकी तलाशी के दौरान कब्जे से पीड़िता के मोबाइल फोन समेत झपटमारी के तीन मोबाइल फोन बरामद हुए। एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपित अमन उर्फ अयान एक आदतन और सक्रिय अपराधी है, जो पहले भी एक आपराधिक मामले में शामिल रहा है। जबकि दूसरा आरोपित नाबालिग है। इन दोनों ने आसानी से पैसा कमाने के लिए अपराध करना शुरू कर दिया। ताकि नशीली दवाओं व शराब की लत को पूरा कर सके।

नरेला में चाकू से गोदकर दोस्त को मार डाला, बाजार में रेहड़ी लगाकर चलाता था परिवार का खर्च

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। नरेला थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक दोस्त ने एक युवक को चाकू से हमला कर दिया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने घायल को तुरंत पास के ही एक अस्पताल में पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक 28 वर्षीय शमशेर परिवार के साथ नरेला सेक्टर-ए-10 में रहता था। नरेला क्षेत्र में लगने वाले अलग-अलग साप्ताहिक बाजारों में रेहड़ी लगाकर परिवार का खर्च चलाता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक रविवार देर रात अपने दोस्त विशाल के नरेला क्षेत्र में ही कहीं गया था। इस दौरान इन दोनों की किसी बात पर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ता देख, आसपास मौजूद लोगों ने इन दोनों को समझा कर शांत कराने की कोशिश की। इस दौरान विशाल ने शमशेर के पेट में चाकू मार दिया। जिससे पीड़ित नीचे गिर पड़ा। तभी आरोपित मौके से फरार हो गया। मौजूद लोगों ने गंभीर रूप से घायल को पास के राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान शमशेर की मौत हो गई। अस्पताल से पुलिस को जानकारी मिलने पर पुलिस ने चश्मदीद के बयान के आधार पर संबधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपित को पुलिस की टीम ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे।

कबाड़ के गोदाम में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

नईदिल्ली, एजेंसी। नंदग्राम क्षेत्र स्थित रेत मंडी में देर रात कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। दमकल ने चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल के मुताबिक सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि रेत मंडी स्थित कबाड़ के गोदाम में आग लग गई है। आग बाबा इंटरनेशनल स्कूल के पास हाइटेंशन लाइन के नीचे बने कबाड़ के गोदाम में लगी थी।

धोबी घाट आरओबी का हुआ उद्घाटन, रोजाना पांच लाख लोगों को मिल रहा लाभ

नईदिल्ली, एजेंसी। सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्यमंत्री विजय कुमार सिंह ने मंगलवार को धोबी घाट आरओबी का विधिवत उद्घाटन कर दिया है। यह आरओबी पिछले कई महीनों से यातायात के लिए खुला हुआ है। विजयनगर में स्थित धोबी घाट बनने से विजयनगर के लोगों की सीधी शहर से कनेक्टिविटी हो गई है। बीते 40 वर्षों से विजयनगर पर इसकी आवश्यकता थी लेकिन इस समस्या को समाधान तक सांसद वीके सिंह ने पहुंचाया। इस रेलवे ओवर ब्रिज पर प्रतिदिन तीन से पांच लाख लोगों की आवाजाही हो रही है। यह रेलवे ओवर ब्रिज जनता के लिए उद्घाटन से पहले ही खुलवा दिया था ताकि औपचारिकता के कारण जनता को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। 1982 से गाजियाबाद के लोगों की विजयनगर से गाजियाबाद शहर को जोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पर आरओबी की एक प्रमुख मांग थी। इस रास्ते पर यातायात की बाधाओं से घिरे गाजियाबाद के लोग एक आरओबी के अभाव के कारण छह से सात किलोमीटर अतिरिक्त वाहन चलाकर अपनी मंजिल तक पहुंच रहे थे। सांसद वीके सिंह के संज्ञान में यह बात आयी और उन्होंने इस सम्बंध में कार्य करना शुरू कर दिया। जल्द से जल्द सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कराकर गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर आरओबी की आधारशिला रख दी गई। 110 करोड़ रुपये की लागत से 1.34 किलोमीटर लंबे 1500 टन के भार वाले इस आरओबी के बनने से विजयनगर और गाजियाबाद शहर की बीच बेहतर कनेक्टिविटी बनी है और घंटो की दूरी अब मिनटों में पूरी हो रही है।

कांग्रेस के कमलनाथ, अशोक गहलोत जैसे कई दिग्गज नेता चुनाव में उतरने को तैयार नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली लिस्ट आ चुकी है। इसमें राहुल गांधी के वायनाड सीट और शशि थरूर के तिरुअनंतपुरम से लड़ने का ऐलान हुआ है। अब तक राहुल गांधी के अमेठी से लड़ने पर तस्वीर साफ नहीं है। यही नहीं उनके अलावा कई ऐसे नेता हैं, जिनके नामों का अब तक ऐलान नहीं हुआ है। यही नहीं चर्चा है कि कमलनाथ, अशोक गहलोत जैसे कई बड़े नेता चुनाव में उतरना ही नहीं चाहते। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत में से कोई भी लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ेगा। वहीं अशोक गहलोत के बेटे वैभव जालोर सीट से मैदान में उतर सकते हैं। हालांकि परिवार की सीट जोधपुर रही है। इसके अलावा मध्य प्रदेश में कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी उतरने के लिए तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर बेटे नकुल नाथ छिंदवाड़ा से लड़ेंगे। वहीं जानकारों का कहना है कि कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की चुनाव से बेरुखी

का नतीजों पर भी असर दिखेगा। असल में यदि ये नेता चुनाव में उतरते तो एक माहौल बनता। खासतौर पर कठिन सीटों पर बड़े नेताओं के चुनाव लड़ने से पार्टी को माहौल बनाने में मदद मिलती। लेकिन नेताओं के डिफेंसिव रुख अपनाने से पार्टी की चिंता बढ़ गई है। इस बीच सोमवार को कांग्रेस की चुनाव समिति की मीटिंग हुई। इसम मीटिंग में असम, गुजरात, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश की सीटों पर बात हुई है। राजस्थान, एमपी, गुजरात के अलावा उत्तराखंड में भी सीनियर नेता चुनाव में उतरने के इच्छुक नहीं हैं। हरीश रावत को पार्टी ने हरिद्वार से ऑफर दिया है, जबकि नेता विपक्ष यशपाल आर्य को कुमाऊं की दो सीटें ऑफर की गई हैं। लेकिन दोनों ही नेता चुनाव लड़ने का इरादा नहीं रखते। हरीश रावत तो चाहते हैं कि उनकी जगह पर बेटे को टिकट दे दिया जाए। इसकी वजह यह है कि वह अब राजनीति से संन्यास के मूड में हैं और अपने बदले में बेटे को सेट कराना चाहते है। टिहरी सीट से सीनियर नेता और विधायक प्रीतम सिंह को ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने भी इनकार कर दिया। वरिष्ठ नेताओं के इस रुख से कांग्रेस में अंदरुनी कलह की भी स्थिति है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करण माहरा ने पार्टी हाईकमान से कहा है कि सीनियर नेताओं को जिम्मेदारी लेते हुए चुनाव में उतरना चाहिए। कठिन समय में ऐसा करने से एक अच्छा संदेश जाएगा। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि खुद अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी लोकसभा सीट नहीं लड़ना चाहते। उनके नाम पर कलबुर्गा सीट को लेकर आम सहमति है, लेकिन वह यह सीट अपने दामाद को देना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि दामाद राधाकृष्णन डोड्डामणि को टिकट मिल जाए। हालांकि इस तरह वह कांग्रेस अधिवेशन में पारित प्रस्ताव का ही उल्लंघन करेंगे, जिसमें संकल्प लिया गया था कि किसी परिवार के एक ही मेंबर को लोकसभा या विधानसभा का टिकट मिलेगा।

ब्रिटेन में अब परिजनों को नहीं ला सकेंगे विदेशी देखभालकर्मी, नए वीजा कानून लागू

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इस हफ्ते से प्रभावी नए वीजा कानून के तहत आश्रित परिवार के सदस्यों को ब्रिटेन में लाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नए वीजा नियमों के मुताबिक देखभाल कर्मी के रूप में काम करने वाले भारतीय और विदेशी अपने परिवार को अब यहां नहीं ला सकेंगे। गृह मंत्रालय ने इस कानून की पहले ही घोषणा की थी, जो सोमवार से प्रभावी हो गया। पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक, ब्रिटेन में देखभाल (केयर) वीजा पर काम करने वाले एक लाख कर्मचारियों के साथ 1,20,000 आश्रित सदस्य आए थे। यह दावा किया गया है कि इस कदम से ब्रिटेन में आने वाले प्रवासियों की संख्या भारी कमी आएगी और वीजा के दुरुपयोग से भी निपटा जा सकेगा। देश के गृहमंत्री जेम्स क्लेवरली ने कहा, देखभाल कर्मी जरूरत के समय हमारे प्रियजनों की देखभाल करके हमारे समाज में अहम योगदान देते हैं। लेकिन हम वीजा नियमों के स्पष्ट दुरुपयोग, हमारी आव्रजन प्रणाली में हेराफेरी और प्रवासियों की संख्या में असामान्य वृद्धि से निपटने के लिए हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं रह सकते। इस स्थिति को जारी रहने देना न तो सही है और न ही उचित है। उन्होंने कहा, हमने ब्रिटेन की जनता से कार्रवाई का वादा किया था। हम तब तक चैन से नहीं

बैठेंगे जब तक कि हम संख्या को काफी कम करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा नहीं कर देते। ब्रिटेन के श्रमिकों की रक्षा करने के लिए हमारी योजना निष्पक्ष और मजबूत है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में मूल्यों को जोड़ने और अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए यहां दुनिया की प्रतिभाएं काम कर सकती हैं और पढ़ाई कर सकती हैं। वीजा नियमों में ये बदलाव लागू हो गए हैं। सरकार गुरुवार को संसद में नए नियमों को रखने की तैयारी कर रही है। अब प्रवासियों के लिए प्रायोजकों के रूप में काम करने वाले देखभाल कर्मियों को देखभाल गुणवत्ता आयोग (सीक्यूसी) में पंजीकरण कराना जरूरी होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मॉरिशस के पीएम जुगनौथ से की मुलाकात, रुपे कार्ड दी भेंट

पोर्ट लुइस, एजेंसी।
भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मॉरिशस के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मॉरिशस के प्रधानमंत्री जुगनौथ से मुलाकात की। राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने भारत और मॉरिशस के बीच ऐतिहासिक और गहरी साझेदारी को और गति प्रदान करने के तरीकों पर बात की। मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति ने उन्हें रूपे कार्ड उपहार में दिया, जिसे हाल ही में मॉरीशस में लॉन्च किया गया है। गौरतलब है कि, मुर्मू तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर यहां पहुंचीं हैं। इस दौरान वह मंगलवार को मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। एक्स पर पोस्ट करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत-मॉरीशस साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मॉरिशस के पीएम कुमार जुगनौथ ने टी-टी बैठक की। बता दें, इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने मॉरिशस समकक्ष पृथ्वीराज सिंह रूपुन से मुलाकात की। भारत और मॉरिशस के बीच दीर्घकालिक और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री जुगनाथ संयुक्त रूप से मॉरीशस के

साथ भारत की जीवंत विकास साझेदारी की बढ़ती और बहुमुखी प्रकृति को प्रदर्शित करने वाली चौदह भारत सहायता प्राप्त परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने श्रीलंका के राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवींद जगन्नाथ के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मॉरीशस और श्रीलंका में डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी का शुभारंभ किया था। दोनों देशों में यूपीआई सेवाओं का शुभारंभ करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हिंद महसागर क्षेत्र के तीनों देशों के लिए आज एक विशेष दिन है।

पुर्तगाल में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी बनी किंगमेकर, सेंटर-राइट गठबंधन की जीत

लिस्बन, एजेंसी।
पुर्तगाल में रविवार को हुए प्रारंभिक आम चुनाव में सेंटर राइट डेमोक्रेटिक अलायंस गठबंधन को जीत मिली है। गठबंधन को 29.5 फीसदी वोट मिले हैं। हालांकि गठबंधन बहुमत का आंकड़ा पार करने में असफल रहा। ऐसे में पुर्तगाल में जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू हो गई है और अगर बात नहीं बन पाई तो फिर से चुनाव हो सकते हैं। खास बात ये है कि पुर्तगाल के चुनाव में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया है और पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले हैं। अस्पष्ट नतीजे में चेगा की पार्टी किंगमेकर बनकर उभरी है।

सेंटर राइट डेमोक्रेटिक अलायंस गठबंधन के नेता लुइस मोंटेन्ग्रो ने सोमवार को जीत का दावा किया, लेकिन उन्होंने कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा से गठबंधन को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोंटेन्ग्रो के गठबंधन में कई नेता कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी के साथ गठबंधन के इच्छुक हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में पुर्तगाल की राजनीति में जोड़-तोड़ का खेल होगा और सरकार गठन में थोड़ा वक्त लग सकता है। पुर्तगाल में दशकों से दो पार्टियों सोशलिस्ट पार्टी और सेंटर राइट डेमोक्रेटिक पार्टी की ही सत्ता रही है और यही दोनों पार्टियां बारी-बारी से पुर्तगाल की सत्ता पर काबिज रही हैं। हालांकि इस बार के चुनाव में ये दोनों ही पार्टियां स्पष्ट बहुमत पाने में विफल रही हैं। वहीं आंद्रे वेंचुरा के नेतृत्व में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा का उभार हुआ है और वह किंगमेकर बनी है। चेगा का गठन महज पांच साल

पहले हुआ था, लेकिन कम समय में ही ये पार्टी तेजी से उभरी है और अब तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

बीते साल नवंबर में भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर पीएम एंटोनियो कोस्टा ने इस्तीफा दे दिया था। हालांकि भ्रष्टाचार के आरोप पीएम कोस्टा पर नहीं लगे हैं, लेकिन उनके इस्तीफे से पुर्तगाल में फिर से चुनाव हुए हैं। पुर्तगाल में आर्थिक संकट, घर की बढ़ती कीमतें और खराब होती स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चुनाव हुए।

सीजफायर की उम्मीदों पर फिरा पानी, रमजान के पहले ही दिन गाजा में 67 फिलीस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा में रमजान के अवसर पर युद्ध विराम की धराशायी हुई उम्मीदों के बीच पिछले 24 घंटे में इजराइली हमलों के कारण कम से कम 67 लोगों की मौत हो गई और इसी के साथ फलस्तीन में जारी युद्ध में अब तक मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 31,112 से अधिक हो गई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। युद्ध समाप्त होने के कोई आसार नजर नहीं आने के बीच, गाजा में फिलीस्तीनियों ने सोमवार से रमजान का महीना शुरू होने पर रोजा रखना शुरू किया। फिलीस्तीन में इजराइली हमलों के कारण मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। अमेरिका, कतर और मिस्त्र को उम्मीद थी कि रमजान से पहले युद्ध विराम समझौता हो जाएगा जिसके तहत इजराइली बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली संभव हो सकेगी और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाई जा सकेगी, लेकिन इस समझौते को लेकर वार्ता पिछले सप्ताह रुक गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बतया कि इजराइली हमलों में मारे गए 67 लोगों के शव पिछले 24 घंटों में अस्पतालों में लाए गए।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार ,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।